धनबाद, मंगलवार
09 जून 2026
वर्ष : 03 अंक : 249
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

ममता बनर्जी को बड़ा झटका, कोलकाता नगर निगम पर टीएमसी की पकड़ कमजोर

कोलकाता (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल की राजनीति में ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम के इस्तीफे के बाद कोलकाता नगर निगम (केएमसी) में नेतृत्व संकट गहरा गया है। इसके चलते नगर निगम में टीएमसी की स्थिति कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ सप्ताहों में कई पार्षदों के इस्तीफे और पार्टी के भीतर बढ़ती असंतोष की स्थिति ने संकट को और बढ़ा दिया है। फिरहाद हकीम, जो वर्ष 2018 से कोलकाता के मेयर थे और ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी माने जाते हैं, ने पद छोड़ दिया है। उनके इस्तीफे के बाद नए नेतृत्व को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि टीएमसी पार्षदों की एक महत्वपूर्ण बैठक भी स्थगित करनी पड़ी। पार्टी के भीतर गुटबाजी और नेतृत्व को लेकर मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं।

जुबीन हत्याकांड के चार आरोपितों की जमानत याचिका खारिज

गुवाहाटी, ,(एजेंसी) :बहुचर्चित जुबीन हत्याकांड में विशेष फास्ट ट्रैक अदालत ने सोमवार को चार आरोपितों अमृतप्रभा महंत, संदीपन गर्ग, नंदेश्वर बोरा और परेश वैश्य की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं।जुबीन हत्याकांड की सुनवाई प्रक्रिया आज से विशेष फास्ट ट्रैक अदालत में शुरू हुई। मामले के पहले ही दिन अदालत ने चारों आरोपितों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उन्हें खारिज कर दिया।मामले में यह एक महत्वपूर्ण न्यायिक कदम माना जा रहा है। आज से गवाही शुरू हुई। आगामी दिनों में अदालत में गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्यों की जांच की जाएगी, जिसके आधार पर सुनवाई आगे बढ़ेगी।पीड़ित पक्ष की ओर से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मामले के दोषियों को कानून के तहत कठोर से कठोर सजा मिलेगी और पीड़ित परिवार को न्याय प्राप्त होगा।

झारखंड में लैंड सर्वे में देरी पर हाई कोर्ट सख्त, 25 जून तक सरकार से शपथपत्र तलब

रांची,,(एजेंसी) : भूमि सर्वेक्षण (लैंड सर्वे) कार्य में देरी को लेकर दायर जनहित याचिका पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। अदालत ने निर्धारित समय सीमा के बावजूद सर्वेक्षण कार्य पूरा नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जताई।

मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह 25 जून तक शपथपत्र दाखिल कर यह स्पष्ट करे कि राज्य के सभी जिलों में लैंड सर्वे कब तक पूरा किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 29 जून को निर्धारित की गई है।सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि पूर्व में दिए गए निदेशों के बावजूद कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। अदालत ने 17 जून 2025 को राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव को चार सप्ताह में नई तकनीक अपनाने और छह माह के भीतर पूरे राज्य में सर्वेक्षण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया था, लेकिन इसका पालन नहीं किया गया।राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि झारखंड में लैंड सर्वे के लिए अपनाई जा रही तकनीक पुरानी है, जिसके कारण कार्य में बाधाएं आ रही हैं। सरकार ने यह भी जानकारी दी कि कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में उपयोग हो रही आधुनिक तकनीकों का अध्ययन किया जा रहा है और उनके आधार पर राज्य में सर्वे प्रक्रिया को बेहतर बनाने की योजना है।इससे पहले की सुनवाई में यह भी बताया गया था कि तीन अलग-अलग टीमें बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में जाकर सर्वे तकनीक का अध्ययन कर चुकी हैं

इंडिया ब्लॉक की सातवीं अहम बैठक में विपक्षी एकजुटता पर जोर

राहुल, ममता, अखिलेश समेत शीर्ष नेता शामिल

शरद पवार बोले- साथ रहना समय की जरूरत

नई दिल्ली,(एजेंसी) :राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार को इंडिया ब्लॉक की सातवीं अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विपक्षी गठबंधन के प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई अन्य विपक्षी दलों के नेता मौजूद रहे। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे बैठक से ऑनलाइन जुड़े।

बैठक में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव समेत कई विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। कांग्रेस ने दावा किया है कि इस बैठक में इंडिया गठबंधन के 23 घटक दल हिस्सा ले रहे हैं। बैठक के दौरान विपक्षी दलों के बीच एकजुटता और भविष्य की राजनीतिक रणनीति पर चर्चा हुई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार ने गठबंधन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में सभी सहयोगी दलों का साथ रहना आवश्यक है। उनके बयान को विपक्षी एकता के संदेश के रूप में देखा जा रहा है। बैठक के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर विपक्षी दलों की एकजुटता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के संकल्प को दोहराया।

इस बीच, अनजाने विरोधियों ने बैठक के दिन दिल्ली की अकबर रोड पर राहुल गांधी और कांग्रेस को लेकर विवादित पोस्टर लगा दिए थे। सुबह लगाए गए इन पोस्टरों में राहुल गांधी की तस्वीर के साथ कांग्रेस विरोधी टिप्पणियां लिखी गई थीं। कुछ पोस्टरों में शरद पवार की तस्वीर का उपयोग करते हुए राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाने वाले संदेश भी दर्ज थे। हालांकि पोस्टर लगाने वालों की पहचान नहीं हो सकी है। दोपहर में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और इन पोस्टरों को हटा दिया।गौरतलब है कि इंडिया ब्लॉक की पिछली बैठक 1 जून 2024 को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई थी। लगभग दो वर्षों के अंतराल के बाद गठबंधन के सभी प्रमुख नेता एक मंच पर एकत्र हुए हैं, जिससे आगामी राजनीतिक चुनौतियों और चुनावी रणनीतियों को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

12 सालों में भारत में बड़े बदलाव के साथ गरीब-वंचित वर्ग का हुआ कल्याण: पीएम मोदी

सरकार की प्रमुख उपलब्धियों को सोशल मीडिया पर किया साझा

नई दिल्ली,(एजेंसी) : नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में 12 साल पूरे होने पर अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों और नीतियों को लेकर एक्स पर पोस्ट की। उन्होंने पोस्ट में कहा कि इन 12 सालों में भारत में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। इन सभी के केंद्र में गरीब और वंचित वर्ग का कल्याण रहा है। पीएम मोदी ने लिखा हम हमेशा अंत्योदय से प्रेरित रहे हैं और हमारी कोशिश यही रही है कि विकास का लाभ उन लोगों तक पहुंचे जो दशकों से पीछे छूट गए थे।उन्होंने कहा कि जनधन खातों और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से लेकर स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना, जलजीवन मिशन, आयुष्मान भारत और अन्य योजनाओं तक हर पहल का मकसद बस यही रहा है कि लोगों को सम्मान और अवसर मिलें।

पीएम ने आगे लिखा कि यह भी खुशी की बात है कि गरीबों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में टेक्नोलॉजी ने अहम भूमिका निभाई है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों तक मदद सीधे और पारदर्शी तरीके से पहुंच रही है। इससे कार्यक्षमता बढ़ी है और शासन-व्यवस्था में भरोसा मजबूत हुआ है।वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर कहा कि गरीब कल्याण मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार ने 12 साल गरीब कल्याण में अन्न योजना, पीएम आवास, जनधन, मुद्रा लोन, पीएम स्वनिधि जैसी कल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों नागरिकों को बैंकिंग सुविधा, वित्तीय सुरक्षा और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ा है। शाह ने कहा कि बुनियादी सुविधाओं, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर जीवन स्तर के जरिए देश के गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़कर विकसित भारत की मजबूत नींव का निर्माण किया जा रहा है।

यमुना को पुनर्जीवित करने के लिए अमित शाह ने ली बैठक, सभी एजेंसियों को मिलकर काम करने का निर्देश

नई दिल्ली,(एजेंसी) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली में यमुना पुनजीर्वीकरण (रिवाइवल) परियोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि स्वच्छ और निर्मल यमुना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का संकल्प है। इसे शीघ्र पूरा करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों को मिलकर कार्य करना होगा। बैठक में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गृह मंत्रालय में हुई इस बैठक में गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों के साथ-साथ सभी संबंधित मंत्रालय यमुना की सफाई के लिए अलग-अलग नहीं बल्कि टीम भावना के साथ एकीकृत कार्ययोजना के तहत काम करें। हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश तीनों राज्य मिलकर यमुना नदी में मानक ईको-फ्लो सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केवल संतोषजनक प्रयास नहीं, बल्कि ठोस और सटीक परिणाम दिखाई देने चाहिए।

अमित शाह ने निर्देश दिया कि यमुना नदी की गाद निकासी (डी-सिल्टिंग) का कार्य तेजी से पूरा किया जाए तथा निकाली गई गाद का उपयोग विभिन्न विनिर्माण और विकास परियोजनाओं में किया जाए, ताकि बरसात के दौरान यह दोबारा नदी में न पहुंचे। उन्होंने कहा कि दिल्ली की डेयरियों से निकलने वाले अपशिष्ट को यमुना में जाने से रोकने के लिए नगर निगम (एमसीडी) और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इसके तहत डेयरियों और गौशालाओं से निकलने वाले गोबर को सीधे बायोगैस और जैविक खाद संयंत्रों तक पहुंचाया जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि एनडीडीबी मॉडल के तहत यमुना किनारे जमा होने वाले कचरे का भी वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जाएगा। उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), औद्योगिक अपशिष्ट और सभी नालों से होने वाले डिस्चार्ज की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राज्यसभा चुनाव : झामुमो, कांग्रेस और निर्दलीय उम्मीदवारों ने किया दो-दो सेट में नामांकन

रांची, ,(एजेंसी) : झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए तीन प्रत्याशियों ने सोमवार को दो-दो सेट में नामांकन किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से बैजनाथ राम, कांग्रेस से प्रणव झा और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में परिमल नाथवाणी ने अपनी दावेदारी ठोक दी है। तीनों ने दो-दो सेटों में नामांकन दाखिल किया। हर किसी के प्रस्तावकों की सूची अपने आप में एक बड़ी सियासी कहानी कह रही है।

झामुमो प्रत्याशी बैजनाथ राम के पहले नामांकन सेट में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद प्रस्तावक बने हैं। उनके साथ स्टीफन मरांडी, मथुरा महतो, उदय शंकर सिंह, लुइस मरांडी, सविता महतो, समीर मोहंती, अनंत प्रताप देव, जिग्गा सुसारन होरो और सजीव सरदार के नाम भी इस सूची में दर्ज हैं। दूसरे सेट में पार्टी ने युवा और सक्रिय चेहरों को आगे किया है। बसंत सोरेन, हफीजुल हसन अंसारी, सुदिव्य सोनू, उमाकांत रजक, धनंजय सोरेन, योगेंद्र प्रसाद, मो. ताजुद्दीन, आलोक सोरेन, सुदीप गुड़िया और राम सूर्या मुंडा इस सेट में प्रस्तावक हैं। यानी पार्टी ने वरिष्ठ और युवा दोनों मोर्चों को एक साथ साधने की कोशिश की है।

कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा के पहले सेट में झामुमो विधायक कल्पना सोरेन प्रस्तावक के रूप में सामने आई हैं। उनके साथ संजय प्रसाद यादव, सुरेश पासवान, मंगल कालिंदी, दीपक बिरूआ, निरल पूर्ति, भूषण तिर्की, सुखराम उरांव, नरेश प्रसाद सिंह और अरूप चटर्जी का नाम भी इस सूची में है। दूसरे सेट में अनुभव का पलड़ा भारी रखा गया है। प्रदीप यादव, डॉ. रामेश्वर उरांव, राधाकृष्ण किशोर, दीपिका पांडेय सिंह, सुरेश बैठा, भूषण बाड़ा, नमन विक्सल कोंगाड़ा, शिल्पी नेहा तिर्की, राजेश कच्छप और कुमार जयमंगल सिंह ने समर्थन दिया है। महागठबंधन की यह एकजुटता कांग्रेस के लिए बड़ी ताकत मानी जा रही है।वहीं, दो सीटों पर तीन दावेदारी को देखते हुए परिमल नाथवानी ने ऐसी चाल चली कि झारखंड में राज्यसभा चुनाव का पूरा समीकरण ही पलट दिया। परिमल ने किसी खास पार्टी से अलग निर्दलीय पर्चा भरा। उनकी रणनीति तो तब चौंकाई जब वो नामांकन दाखिल करने पहुंचे। उनके पहले सेट के प्रस्तावकों में बाबूलाल मरांडी खेमे के नेताओं के साथ नवीन जायसवाल, सत्येंद्र तिवारी, डॉ. नीरा यादव, जर्नादन पासवान, सीपी सिंह, राज सिन्हा, निर्मल महतो और प्रकाश राम शामिल हैं। दूसरे सेट ने तो सारे समीकरण ही पलट दिए। चंपाई सोरेन और सरयू राय जैसे बड़े नाम उनके साथ खड़े हैं, और साथ में अमित यादव, नागेंद्र महतो, कुश।वाहा शशि भूषण मेहता, मंजू कुमारी, रागिनी सिंह, पूर्णिमा साहू, देवेंद्र कुंवर और आलोक चौरसिया भी इस सूची में हैं। दो सीटों के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में हैं।

स्टील प्लांट में पिघले स्टील की चपेट में आए 8 मजदूरों की मौत

विशाखापट्टनम स्टील प्लांट में लेडल फटने से हुआ हादसा

कई कर्मचारी घायल, राहत-बचाव कार्य जारी, गृह मंत्री ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट

विशाखापट्टनम,(एजेंसी) : आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित स्टील प्लांट में सोमवार को हुए भीषण औद्योगिक हादसे में कम से कम आठ कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। दुर्घटना प्लांट की एसएमएस-2 और एसटीसी-3 हीट फैसिलिटी में उस समय हुई, जब अत्यधिक तापमान पर मौजूद पिघले हुए स्टील से भरा एक लेडल अचानक फट गया और बड़ी मात्रा में स्टील का रिसाव होने लगा।

हादसे के बाद पूरे संयंत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज धमाके के साथ पिघला हुआ स्टील आसपास फैल गया, जिससे वहां काम कर रहे कर्मचारी इसकी चपेट में आ गए। दुर्घटना के बाद कर्मचारियों और अधिकारियों ने जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर दौड़ लगाई। विशाखापट्टनम स्टील प्लांट सर्किल इंस्पेक्टर केसव राव ने हादसे की पुष्टि करते हुए मीडिया को बताया कि दुर्घटना में आठ कर्मचारियों की मौत हुई है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। कुछ घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही प्लांट के सुरक्षा कर्मी, अग्निशमन दल और आपदा प्रबंधन टीमें मौके पर पहुंच गईं। राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया गया और आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए। अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र को घेरकर अन्य कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

गृहमंत्री ने दिए राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश

हादसे पर आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वांगलापुडी अनीता ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने विशाखापट्टनम जिला कलेक्टर और शहर के पुलिस आयुक्त से फोन पर बातचीत कर घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मंत्री ने अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। गृह मंत्री ने बताया कि वह स्वयं घटनास्थल के लिए रवाना हो गई हैं और लगातार अधिकारियों के संपर्क में हैं।

असम मंत्रिमंडल के विभागों का हुआ आवंटन, मुख्यमंत्री के पास गृह, लोक निर्माण, ऊर्जा

गुवाहाटी, (एजेंसी) :असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों के बीच विभागों का आवंटन कर दिया। हाल में हुए मंत्रिमंडल विस्तार के बाद सभी कैबिनेट मंत्रियों को उनके-उनके विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा अपने पास गृह एवं राजनीतिक, लोक निर्माण (भवन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग, सड़क), ऊर्जा तथा जनसंपर्क विभाग रखेंगे। जयंत मल्लबरुवा को वित्त, पर्यावरण एवं वन तथा खान एवं खनिज विभागों की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, केशव महंत को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं जलवायु परिवर्तन तथा सामान्य प्रशासन विभाग सौंपे गए हैं।

अशोक सिंघल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग का दायित्व दिया गया है। पीयूष हजारिका कृषि, सिंचाई एवं संसदीय कार्य विभाग संभालेंगे, जबकि डॉ. रणोज पेगु विद्यालयी शिक्षा, उच्च शिक्षा, जनजातीय कार्य (मैदानी क्षेत्र) तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का नेतृत्व करेंगे।

अश्विनी राय सरकार को सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण, भूमि संरक्षण तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग दिए गए हैं। बिमल बोरा को सांस्कृतिक कार्य, उद्योग, वाणिज्य एवं सार्वजनिक उपक्रम तथा एक्ट ईस्ट नीति विभाग सौंपा गया है। विश्वजीत दैमारी को हथकरघा, वस्त्र एवं रेशम उद्योग, कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता, स्वदेशी एवं जनजातीय आस्था एवं संस्कृति तथा खेल विभागों की जिम्मेदारी मिली है।

कौशिक राय खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले तथा आवास एवं शहरी कार्य विभाग संभालेंगे। कृष्णेंदु पाल को जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, पर्वतीय क्षेत्र एवं बराक घाटी विकास विभाग दिया गया है। नीलिमा देवी पशुपालन, पशु चिकित्सा एवं मत्स्य विभाग की जिम्मेदारी निभाएंगी, जबकि सुशांत बरगोहाईं को जल संसाधन एवं न्यायिक विभाग सौंपे गए हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभागों के इस आवंटन के साथ राज्य सरकार ने प्रशासनिक कार्यों को गति देने और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने सभी नवदायित्व प्राप्त कैबिनेट मंत्रियों को शुभकामनाएं और बधाई दी है।

संक्षिप्त खबरें

सड़क सुरक्षा को लेकर महागामा में सघन वाहन जांच अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गोड्डा : महागामा में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए महागामा थाना पुलिस द्वारा केचुआ चौक पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दोपहिया वाहनों की जांच की गई तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।वाहन जांच अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) वरुण रजक, महागामा थाना प्रभारी मनोज पाल, इंस्पेक्टर उपेंद्र महतो सहित थाना के सभी पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के आवश्यक कागजात, हेलमेट तथा अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की।इस दौरान एसडीपीओ महगामा ने लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की अपील की। एसडीपीओ वरुण रजक एवं थाना प्रभारी मनोज पाल ने कहा कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाओं में हेलमेट नहीं पहनने के कारण गंभीर चोटें लगती हैं। ऐसे में सभी वाहन चालक अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यातायात नियमों का पालन करें।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगे भी महागामा थाना क्षेत्र के विभिन्न चौक-चौराहों पर नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने लोगों को सुरक्षित यात्रा के लिए हेलमेट पहनने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने की सलाह दी।

केंद्र सरकार ने देवघर को चुना उर्वरक क्षेत्र में पायलट प्रोजेक्ट के लिए

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : भारत सरकार ने उर्वरक क्षेत्र के पायलट प्रोजेक्ट के लिए झारखंड के देवघर जिले का चयन किया है। यह जानकारी देवघर के उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने दी। इस पायलट प्रोजेक्ट के तहत आज देवघर के सूचना भवन में जिले के थोक और खुदरा उर्वरक विक्रेताओं के लिए फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपायुक्त ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य उर्वरक वितरण प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाना है। इससे किसानों को समय पर और सही दाम पर खाद उपलब्ध हो सकेगी। कालाबाजारी और जमाखोरी पर भी रोक लगेगी। नई व्यवस्था के तहत अब हर बोरी खाद की बिक्री की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। किसानों को पीओएस मशीन के जरिए आधार प्रमाणीकरण के बाद ही उर्वरक मिलेगा। प्रशिक्षण में विक्रेताओं को नए सॉफ्टवेयर, स्टॉक एंट्री और बिलिंग प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

केवाईसी के नाम पर साइबर ठगी, दो बैंक खातों से 1.60 लाख उड़ाए

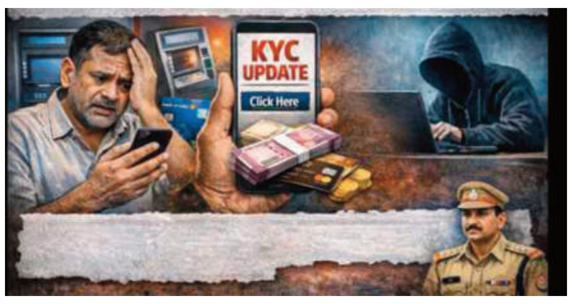

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : साइबर ठगों ने एक बार फिर झांसा देकर एक व्यक्ति के दो खातों से पैसे उड़ा लिए हैं। इस बार केवाईसी के नाम पर झांसा देकर घटना को अंजाम दिया गया। घटना को लेकर पीड़ित भुनेश्वर मोदी ने आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है। उनके अनुसार केवाईसी अद्यतन कराने के नाम पर आए एक फोन कॉल के बाद उनके दो बैंक खातों से एक लाख साठ हजार सात सौ रुपये की राशि अवैध रूप से निकाल ली गई। जानकारी के अनुसार भुनेश्वर मोदी का खाता यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की झुमरीतिलैया शाखा तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में है। सात जून को उन्हें जानकारी मिली कि उनके खातों से ऑनलाइन माध्यम से अनधिकृत लेन-देन कर कुल एक लाख साठ हजार सात सौ रुपये निकाल लिए गए हैं। इसमें सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाते से एक लाख रुपये तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के खाते से 60 हजार 700 रुपये की निकासी की गई है। पीड़ित ने बताया कि घटना से पूर्व मोबाइल नंबर 7873609824 से केवाईसी अद्यतन कराने के लिए फोन आया था। इसके बाद संदिग्ध परिस्थितियों में खातों से राशि निकाल ली गई। निकासी से संबंधित विवरण के अनुसार 50 हजार, 10 हजार 700 तथा एक लाख की राशि अलग-अलग लेन-देन के माध्यम से निकाली गई।भुनेश्वर मोदी ने अपने आवेदन में कहा है कि उन्होंने किसी भी व्यक्ति को अपने खाते से संबंधित गोपनीय जानकारी साझा नहीं की थी।घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित बैंकों को सूचित कर खातों पर तत्काल रोक लगवा दी गई। इसके बाद उन्होंने तिलैया थाना में लिखित शिकायत देकर मामले की जांच, दोषियों की गिरफ्तारी तथा निकाली गई राशि वापस दिलाने की मांग की है।पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सांसद खेल महोत्सव और नमो फुटबॉल टूनार्मेंट को लेकर सांसद की अध्यक्षता में हुई बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : आगामी सांसद खेल महोत्सव-2026 एवं नमो फुटबॉल टूनार्मेंट को और अधिक भव्य, अनुशासित एवं उपयोगी बनाने के उद्देश्य से हुरहुरु स्थित फुडीज कैफे सभागार में बैठक हुई।बैठक में सांसद मनीष जायसवाल समेत लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधियों, रेफरियों और खेल प्रेमियों ने भाग लिया।बैठक में निर्णय लिया गया कि लोकसभा क्षेत्र के सभी 22 प्रखंडों में एक सप्ताह के भीतर प्रतियोगिताएं शुरू कराकर पखवाड़े भर में टूनार्मेंट संपन्न कराया जाएगा।आयोजन को राजनीति से दूर रखते हुए खिलाड़ियों को इस बार पारंपरिक पोटली के स्थान पर आकर्षक किट बैग में 15 सेट जर्सी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही फुटबॉल के अलावा स्थानीय खेलों को भी शामिल कर खिलाड़ियों का डेटाबेस तैयार किया जाएगा। सांसद ने कहा कि खेल युवाओं को नशाखोरी और आपराधिक प्रवृत्तियों से दूर रखता है।उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 1500 टीमों के करीब 25 हजार खिलाड़ियों ने इस आयोजन में भाग लिया था।उन्होंने अधिक से अधिक स्थानीय टीमों को जोड़ने और खेल प्रतिभाओं को मंच देने की अपील की।बैठक में सत्येंद्र नारायण सिंह, विनोद झुनझुनवाला, राजीव जायसवाल, किशोरी राणा, द्वारिका सिंह, पूनम साहू, मुकुंद साव सहित कई जनप्रतिनिधि एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

लगभग 12 लाख मूल्य के अवैध अफीम के साथ चार तस्कर गिरफ्तार, दो बाइक व तीन मोबाइल बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : खूंटी पुलिस को नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रनिया थाना क्षेत्र के तांबा गांव के समीप छापेमारी कर लगभग 12 लाख मूल्य का 2 किलो 300 ग्राम अवैध अफीम के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार आरोपियों में पश्चिम सिंहभूम के सारंडा कोमसाई निवासी 50 वर्षीय नाथ लोमगा, 31 वर्षीय बिरसा बरजो, 43 वर्षीय सुपाय कंडायबुरु और 29 वर्षीय गांदू बरजो शामिल है। पुलिस ने इनके पास से दो मोटरसाइकिल और तीन टच स्क्रीन मोबाइल फोन भी बरामद किया है।खूंटी एसपी ऋषभ गर्ग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी -तांबा गांव के पास कुछ लोग अवैध अफीम की खरीद-बिक्री करने के लिए आने वाले हैं। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए तोरपा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।छापामारी दल

जब तांबा गांव के पास पहुंचा तो वहां दो मोटरसाइकिल के साथ चार व्यक्ति खड़े दिखाई दिए। पुलिस वाहन को देखते ही सभी भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए चारों को खदेड़कर पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर विधिसम्मत तलाशी ली गई, जिसमें उनके पास से 2किलो 300 ग्राम काला-भूरा रंग का अवैध अफीम जैसा पदार्थ बरामद हुआ।गिरफ्तार सभी आरोपी पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा और आसपास के क्षेत्रों के निवासी बताए गए हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि पश्चिमी सिंहभूम जिले में अफीम की खेती की जाती है तथा वे खूंटी और रांची जिले में अफीम तस्करों को इसकी आपूर्ति कर मुनाफा कमाते थे।इस मामले में रनिया थाना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 17(बी), 22(बी) एवं 25 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।खूंटी पुलिस ने कहा है कि जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।छापामारी टीम में तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार सिंह, मणिदीप, एनडीपीएस थाना प्रभारी मणिदीप, रामदेव यादव, मनोज कच्छप, एनडीपीएस थाना खूंटी और एनडीपीएस थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

महंगाई और पेपर लीक के खिलाफ युवा कांग्रेस का हल्ला बोल, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : देश में बढ़ती महंगाई, प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार को युवा कांग्रेस की ओर से धनबाद में ॠहल्ला बोलॠ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने आक्रोश रैली निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की रैली आईआईटी (आईएसएम) के मुख्य द्वार के समीप से शुरू हुई और पुलिस केंद्र होते हुए रणधीर वर्मा चौक स्थित धरना स्थल तक पहुंची। रैली में बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए और शिक्षा व्यवस्था में सुधार तथा पेपर लीक पर रोक लगाने की मांग उठाई।युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक से देश के लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिससे छात्रों में निराशा और आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार युवाओं के हितों की रक्षा करने में विफल रही है।कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के शामिल होने की संभावना थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। इसके बावजूद युवा कांग्रेस कार्यकताओं ने निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रदर्शन किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई।

गिरिडीह में दिल दहला देने वाली वारदात, पिता ने तीन बेटियों की गला रेतकर हत्या की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : गिरिडीह जिले से एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है। जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के तुरुकडीहा गांव में एक पिता ने अपनी तीन बेटियों की धारदार हथियार से हत्या कर दी। घटना सोमवार सुबह की बताई जा रही है।एसडीपीओ जीत वाहन उरांव ने बताया कि आरोपी की पहचान तुरुकडीहा निवासी नंदू यादव के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने अपनी तीनों बेटियों पर धारदार हथियार से हमला कर उनकी जान ले ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता नंदू यादव को गिरफ्तार कर लिया है।एसडीपीओ जीतबाहन उरांव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

हड़ताल पर गए सफाई मित्र, शहर की सफाई व्यवस्था ठप,तीन माह से मानदेय नहीं मिलने से है आक्रोश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : झुमरीतिलैया नगर परिषद क्षेत्र में सफाई व्यवस्था संभाल रही कोडरमा म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (केएमएसडब्लूएम) के अधीन कार्यरत सफाई मित्रों और वाहन चालकों ने मानदेय भुगतान में अनियमितता एवं पीएफ राशि संबंधी शिकायतों को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से नगर परिषद झुमरीतिलैया में साफ-सफाई का कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है।हड़ताल कर रहे कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें पिछले तीन माह से मानदेय का भुगतान समय पर नहीं किया गया है, जिससे उनके समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि हर महीने उनके वेतन से भविष्य निधि (पीएफ) की राशि काटी जाती है, लेकिन संबंधित राशि उमंग एप्लीकेशन में प्रदर्शित नहीं हो रही है, इसे लेकर कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।कर्मचारियों ने बताया कि कई बार कंपनी प्रबंधन को इस संबंध में अवगत कराया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। इसी के विरोध में उन्होंने कामकाज बंद कर हड़ताल का रास्ता अपनाया है।हड़ताल में करीब 20 वाहन चालक और 40 सफाई कर्मचारी शामिल हैं।

बागोडीह में चार घरों से लाखों की चोरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बागोडीह गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। एक के बाद एक चार घरों का ताला तोडकर नगद, जेवरात, पीतल कांसा का बर्तन सहित लाखो रुपए की संपति चुरा ली। सुबह घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में हडकंप मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक दुर्गी राम अपने नए घर में सोए थे। इसी दौरान चोरों ने घर का ताला तोडकर करीब पांच हजार रुपये मूल्य के पीतल-कांसा के बर्तन चोरी कर लिया।इसके बाद चोरों ने श्याम सुंदर राम के घर को निशाना बनाया।यहां से चांदी की पायल, सोने का फूल, कान के आभूषण, बर्तन और लगभग दस हजार रुपये नगद समेत करीब पचास हजार रुपये मूल्य की संपत्ति लेकर फरार हो गए।

कृषि एवं संबद्ध विभागों की डीसी ने की समीक्षा,बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन व वैक्सीनेशन में तेजी लाने के निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक की। बैठक में कृषि, आत्मा शासकीय निकाय, पशुपालन, गव्य विकास, सहकारिता, मत्स्य, उद्यान एवं जिला भूमि संरक्षण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गयी।बैठक में उपायुक्त श्री शेखावत ने खरीफ मौसम की तैयारियों, बीज एवं उर्वरक उपलब्धता, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान पाठशाला, पशुधन विकास योजनाओं, वैक्सीनेशन अभियान तथा मत्स्य एवं उद्यान विभाग की योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उपायुक्त ने जिला पशुपालन पदाधिकारी को योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन लाभुकों को अनुदान की राशि उपलब्ध करा दी गयी है, लेकिन उनके स्तर से योजनाओं के क्रियान्वयन में रुचि नहीं दिखाई जा रही है, ऐसे लाभुकों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाये साथ ही उन्होंने पशुओं के

वैक्सीनेशन कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।बैठक में खरीफ 2026-27 के लिए बीज वितरण, उर्वरक आवश्यकता एवं आपूर्ति योजना की समीक्षा की गयी। जिले में खरीफ फसलों के लिए 1 लाख 37 हजार 270 हेक्टेयर क्षेत्र में खेती का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।वहीं किसानों को अनुदानित दर पर धान बीज उपलब्ध कराने हेतु राज्य स्तर से अब तक 2000 क्विंटल बीज आवंटित किया गया है।

उपायुक्त ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को अधिकाधिक किसानों को केसीसी से जोड़ने का निर्देश दिया। समीक्षा में बताया गया कि विशेष शिविरों के माध्यम से केसीसी आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं।बैठक में किसान पाठशाला के अंतर्गत संचालित कार्यों की भी समीक्षा की गयी। विभिन्न केंद्रों पर फेंसिंग, सोलर पंप, पॉली हाउस, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट, मत्स्य पालन तालाब, प्रशिक्षण केंद्र, पशु शेड एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी दी गयी। मत्स्य विभाग अंतर्गत वेद व्यास योजना एवं मत्स्य विपणन योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वेद व्यास योजना के तहत कुल 35 लाभुकों को लाभान्वित किया जाना है तथा इसके लिए लाभुकों से आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं।उद्यान विभाग की समीक्षा के दौरान सब्जी एवं पुष्प खेती, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, गृह वाटिका एवं शेड नेट जैसी योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी गयी। बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

पांच माह में नौ कंपनियों को ब्लैक लिस्टेड किया सीसीएल ने,किसी ने फर्जी दस्तावेज जमा किया तो, कुछ ने काम अधूरा छोड़ा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : सीसीएल ने पांच माह में नौ कंपनियों को ब्लैक लिस्टेड कर दिया है। किसी को एक दो किसी को दो साल के लिए ब्लैक लिस्टेड किया गया है। जिन कंपनियों को ब्लैक लिस्ट किया गया है, वह एक साल तक कंपनी के टेंडर में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। कुछ कंपनियों ने टेंडर में सफल होने के बाद काम नहीं किया, तो कुछ ने सुरक्षा राशि (इएमडी) ही नहीं जमा किया है। एक कंपनी को जवाहर नगर कॉलोनी के रिनोवेशन का काम मिला था, लेकिन वह कंपनी सिक्युरिटी डिपोजिट में फेल हो गयी।कुछ कंपनियों ने टेंडर लेने के लिए फर्जी दस्तावेज जमा किया था।सीसीएल के कुजू क्षेत्र ने काम में लापरवाही बरतने के कारण मैसर्स शशि स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड (पुणे) का अनुबंध तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।कंपनी एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है।कंपनी को तोपा स्टॉकयार्ड से कुजू न्यू साइडिंग तक 24 लाख टन कोयला लोडिंग और परिवहन के लिए कंपनी को 13.89 करोड़ रुपये का ठेका दिया गया था।लेकिन कंपनी ने सितंबर 2025 से काम पूरी तरह बंद कर दिया और कोयले की निगरानी के लिए जारी जीपीएस और आरएफआइडी टैग भी बिना बताए लौटा दिया। सीसीएल अब अनुबंध की शर्तों के तहत कंपनी से नुकसान की भरपाई के रूप में लगभग

2.74 करोड़ रुपये वसूलेगा। सीसीएल ने नियमों का उल्लंघन करने पर मेसर्स कलिंगा कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केसीसी) को एक साल के लिए ब्लैकलिस्ट (प्रतिबंधित) कर दिया है।यह प्रतिबंध 15 जनवरी 2026 से प्रभावी हो गया है। आम्रपाली ओसीपी में कोयला खनन और परिवहन से जुड़े टेंडर में कलिंगा कॉमर्शियल सफल बोलीदाता चुनी गई थी। नियमों और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत कंपनी को 21 दिनों के भीतर 724.59 करोड़ से अधिक की अतिरिक्त प्रदर्शन सुरक्षा जमा करनी थी। कंपनी द्वारा इस राशि को जमा करने से इनकार करने और संतोषजनक जवाब न देने के बाद यह कदम उठाया गया है।अब कंपनी अगले एक साल तक सीसीएल के किसी भी टेंडर में भाग नहीं ले पाएगी।सीसीएल ने एस ग्रुप कंस्ट्रक्शन एंड पावर ट्रांसमिशन दो साल के लिए सभी टेंडरों में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है।कंपनी के प्रोपराइटर श्री चिन्मय रंजन साहू हैं।यह कार्रवाई कुजू क्षेत्र के तहत कोयला परिवहन से जुड़े एक टेंडर में फर्जी कार्य अनुभव प्रमाण पत्र जमा करने के कारण की गई है।विभागीय जांच में संबंधित विभाग ने स्पष्ट किया कि उन्होंने ऐसा कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं किया था और यह पूरी तरह से जाली था।कंपनी पर प्रतिबंध 22 जनवरी 2026 से 21 जनवरी 2028 तक प्रभावी रहेगा।सीसीएल के केडीएच प्रोजेक्ट ने मेसर्स रविंद्र एंटरप्राइजेज का तीन साल का कोयला लोडिंग अनुबंध तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।लगातार खराब प्रदर्शन, रेलवे वैगनों में समय पर कोयला लोड न करने और बिना किसी पूर्व सूचना के चार अक्टूबर 2025 से काम बंद करने के कारण यह सख्त कदम उठाया गया है।इस लापरवाही की वजह से सीसीएल को भारी वित्तीय नुकसान और रेलवे डेमरेज शुल्क का सामना करना पड़ा। कार्रवाई के तहत फर्म को 7 फरवरी 2026 से एक वर्ष के लिए सीसीएल के भविष्य के टेंडरों में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।इसके अलावा, सुरक्षा जमा के समायोजन के बाद कंपनी से 16.09 रुपये की वित्तीय क्षतिपूर्ति भी वसूली जाएगी।

पांच साल की लड़ाई के बाद मिली जीत, आंदोलनकारियों ने की आतिशबाजी कोयला डंपिंग यार्ड हटाने के फैसले का स्वागत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : उपराजधानी दुमका रेलवे स्टेशन परिसर में संचालित कोयला डंपिंग यार्ड को ईस्टर्न रेलवे द्वारा अन्यत्र स्थानांतरित करने के निर्णय के बाद रसिकपुर और आसपास के क्षेत्रों में खुशी का माहौल है।सोमवार को आंदोलनकारियों ने सामाजिक कार्यकर्ता रविशंकर मंडल के नेतृत्व में जमकर आतिशबाजी की और लोगों के बीच मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया।रविशंकर मंडल ने कहा कि कोयला डंपिंग यार्ड को हटाने की मांग को लेकर पिछले पांच वर्षों से लगातार आंदोलन चलाया जा रहा था।इस दौरान प्रत्येक रविवार को धरना-प्रदर्शन किया गया, विभिन्न स्तरों पर ज्ञापन सौंपे गये और मामले को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) तक भी ले जाया गया। आंदोलन के दौरान कई कार्यकताओं पर मामले भी दर्ज किये गये, लेकिन जनहित की इस लड़ाई से कोई पीछे नहीं हटा।उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन के समीप स्थित कोयला यार्ड से निकलने वाली धूल और प्रदूषण के कारण आसपास के लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा था।कोयले की उड़ती धूल से लोग श्वास संबंधी बीमारियों सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे।लगातार जनदबाव और आंदोलन का ही परिणाम है कि ईस्टर्न रेलवे ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कोयला यार्ड को यहां से हटाने का निर्णय लिया।श्री मंडल ने कहा कि यह केवल आंदोलनकारियों की नहीं, बल्कि पूरे दुमका शहर की जीत है।

गोईलकेरा बाजार में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ छापेमारी, भारी मात्रा में विदेशी शराब व बीयर बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : उपायुक्त, पश्चिमी सिंहभूम एवं अधीक्षक उत्पाद, पश्चिमी सिंहभूम के निर्देश पर अवैध मदिरा बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्पाद विभाग और गोईलकेरा थाना की संयुक्त टीम ने गोईलकेरा बाजार में अवैध शराब बिक्री के दो ठिकानों पर छापेमारी करते हुए 29.600 लीटर विदेशी शराब, 79.400 लीटर बीयर तथा 1.800 लीटर देशी शराब बरामद किया है।जानकारी देते हुए उत्पाद निरीक्षक निर्भय कुमार सिन्हा ने बताया कि छापेमारी दल के पहुंचने की भनक लगते ही अवैध कारोबार में संलिप्त धंधेबाज मौके से फरार हो गए।बरामद शराब को जब्त कर संबंधित आरोपियों के विरुद्ध झारखंड उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तारी हेतु छापेमारी किया जा रहा है।

ट्रूथ पथ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

विशेष गहन पुनरीक्षण में कोताही नहीं बरते : डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) में कोताही नहीं बरतने की सलाह डीसी ने दी है। सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में न्यू टाउन हॉल में सभी बीएलओ सुपरवाइजरों के साथ बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। डीसी ने कहा कि सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर विशेष गहन पुनरीक्षण में कोई कोताही नहीं बरते। गंभीरतापूर्वक और तत्परता से काम करें। विशेष गहन पुनरीक्षण में एक भी मतदाता छूटना नहीं चाहिए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि एसआइआर के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए हर प्रखंड में बीएलओ सुपरवाइजर कोषांग का गठन किया गया है। जिसमें अतिरिक्त कंप्यूटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, जेरोक्स मशीन, फोटो प्रिंट मशीन के अलावा निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए पावर बैकअप प्रदान किया गया है। साथ ही नगर आयुक्त की अध्यक्षता में निगरानी कोषांग का बना है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण में बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर एक महत्वपूर्ण कड़ी है। कोई योग्य वोटर छूटना नहीं चाहिए और कोई अयोग्य व्यक्ति मतदाता सूची में जुड़ना नहीं चाहिए, यही एसआइआर का उद्देश्य है। डीसी ने सभी बीएलओ सुपरवाइजर को काम नहीं करने वाले बीएलओ को तुरंत बदलने एवं जहां काम का अत्यधिक दबाव है वहां स्वयं सेवक रखने तथा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार- प्रसार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा इसका उद्देश्य वास्तविक मतदाताओं, विशेष रूप से वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, गरीब और अन्य कमजोर समूहों को यथासंभव सुविधा प्रदान करने के लिए है। बीएलओ यदि अन्य कार्य में लगे हो तो अपने दैनिक कार्यों के अतिरिक्त प्रतिदिन सुबह 09:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक मतदाताओं की सुगमता के लिए मतदान केन्द्रों में रहकर मैपिंग कार्य को संपादित करना सुनिश्चित करेंगे। सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी वाट्सएप एवं वीडियो कॉल अथवा भौतिक निरीक्षण कर उक्त कार्य को संपादित करना सुनिश्चित करेंगे। कार्यशाला में बीएलओ सुपरवाइजरों को सभी प्रखण्ड व अंचल स्तर पर बूथ लेवल एजेंट- 2 एवं सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक रखने का निर्देश दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 30 जून 2026 से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण किया जाएगा। 29 जुलाई तक मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन, 05 अगस्त को ड्राμट मतदाता सूची का प्रकाशन, 05 अगस्त से 04 सितंबर तक दावे एवं आपत्तियाँ दर्ज करने की अवधि, 05 अगस्त से 03 अक्टूबर तक नोटिस एवं दावे / आपत्तियों का निस्तारण तथा 07 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। कार्यशाला में नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, डीसीएलआर दिलीप कुमार महतो, डीएसडब्ल्यूओ स्नेह कश्यप के अलावा सभी विधानसभा के ईआरओ, एईआरओ तथा सभी बीएलओ सुपरवाइजर मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

कतरासगढ़ स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का हो रहा विस्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः रेल मंडल धनबाद के कतरासगढ़ स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए आधारभूत संरचना के विकास कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं इसी क्रम में धनबाद मंडल का पहला 12 मीटर चौड़े नवनिर्मित फुट ओवरब्रिज का निर्माण कार्य कतरासगढ़ स्टेशन पर किया गया है. यह फुट ओवरब्रिज यात्रियों को विभिन्न प्लेटफार्मों के बीच सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन की सुविधा प्रदान करेगा तथा ट्रैक पार करने की प्रवृत्ति को कम कर रेल सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाएगा इसके अतिरिक्त, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों तथा अन्य जरूरतमंद यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्टेशन पर दिव्यांग-अनुकूल रैंप का भी निर्माण किया जा रहा है. रैंप के निर्माण से स्टेशन परिसर में सभी यात्रियों की पहुंच सुगम होगी. रेल प्रशासन द्वारा इन विकास कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है. इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के उपरांत कतरासगढ़ स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सहज एवं आधुनिक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा.

डिबूडीह पुल पर कोयला लदा टेम्पो व बाइक में आमने सामने हुई टक्कर में इसीएल कर्मी की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा स्थित डिबूडीह बराकर पुल पर सोमवार को कोयला लोड टेम्पो व बाइक आमने सामने टकरा गया।इस घटना में इसीएल कर्मी पांडेश्वर ननिवासी राजेन्द्र बिंद (50) की मृत्य घटना स्थल पर ही हो गई।जबकी उसका पुत्र गंभीर रुप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए मैथन पुलिस ने आरएनएमएमएस अस्पताल धनबाद भेज दिया।वहीं टेंपो चालक मौके से फरार हो गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि दोपहर 12 बजे पश्चिम बंगाल से राजेन्द्र बींद अपने बाइक से पुत्र के साथ झारखंड की ओर आ रहे थे।उसी दौरान उसी लेन में कोयला लदा टेम्पो पश्चिम बंगाल की ओर से तेज रफ्तार से जा रहा था। डिबुडीह पुल पर आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गया।जिसके कारण बाइख सवार पश्चिम बंगाल मधाइपूर कोलियरी पाण्डेश्वर निवासी इसीएल कर्मी राजेन्द्र बींद का घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई।जबकि उनके पुत्र बुरी तरह घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मैथन पुलिस पहुंच कर घायल युवक को नेशनल हाईवे के एम्बुलेंस से धनबाद एसएनएमएमसीएच भेज दिया।घटना के बाद करीब आधा घंटा तक रोड़ पर जाम रहा।मृतक इसीएल कर्मी राजेन्द्र बींद के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। पुलिस ने टेम्पो एवं बाइक को जप्त कर ओपी ले आई है।

डीजल चोरी करते दो अपराधी रंगेहाथ गिरफ्तार भेजे गए जेल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः ब्लॉक दो क्षेत्र के नदखुरकी पैच के आउट सोर्सिंग कंपनी के कोयला फेस में खड़ी मशीन से डीजल चोरी करने के आरोप में दो युवकों को बाघमारा थाना पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया है। दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बाघमारा थाना क्षेत्र के सिदपोकी निवासी राजेश गोप उर्फ मुसु गोप (30 वर्ष) और मधुबन थाना क्षेत्र के खिलानधौड़ा निवासी कुशल कुमार दास उर्फ खुशाल कुमार (26 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना ब्लॉक दो एबीओसीपी के नदखुरकी पैच में संचालित खेमका कैरियर आउटसोर्सिंग कंपनी की है। रविवार की सुबह दोनों आरोपी कोयला फेस में खड़ी एक 'हुंडई 360 एस्कवेटर मशीन' से पाइप डालकर डीजल निकाल रहे थे। इसी दौरान वहां तैनात सुरक्षा गार्डों की नजर उन पर पड़ गई और उन्होंने दोनों को मौके पर ही रंगेहाथ दबोच लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद कंपनी प्रबंधन द्वारा सौंपे गए दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 4 गैलन (जिसमें से 2 गैलन करीब 30 लीटर डीजल भरा हुआ) 2 खाली गैलन , 6 मीटर लंबी प्लास्टिक की पाइप, चोरी में प्रयुक्त बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल जब्त किया है। खेमका कैरियर आउटसोर्सिंग कंपनी के परियोजना प्रबंधक संजय ठाकुर द्वारा बाघमारा थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कांड संख्या 86/26 के तहत मामला पंजीकृत किया और सोमवार को उन्हें जेल भेज दिया।

सांप के डंसने से युवक की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः राजगंज के बरडार गांव में रविवार रात सांप काटने से 35 वर्षीय कामदेव सिंह की मौत हो गई। वह अपने घर के बरामदे में सो रहे थे, तभी सांप ने उन्हें डंस लिया। परिजन उन्हें तत्काल धनबाद के एसएनएमएमसीएच अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके परिवार में पत्नी कौशल्या देवी, पुत्र विकास कुमार (10 वर्ष) और पुत्री प्रीति कुमारी (8 वर्ष) हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है।

निम्न वर्गीय लिपिकों को दिया लेखा परीक्षा का प्रशिक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः समाहरणालय संवर्ग के निम्न वर्गीय लिपिकों (एलडीसी) के लिए लेखा परीक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर स्थापना शाखा द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के पहले दिन राज्य कर पदाधिकारी, अन्वेषण ब्यूरो, महेंद्र कुमार महतो ने पेंशन, सहायक आयुक्त, नागरीय अंचल, ध्रुव नारायण राय ने बजट, कोषागार पदाधिकारी शपंकज कुमार ने बिल तथा कार्यपालक दंडाधिकारी नारायण राम ने वित्तीय नियमावली पर प्रशिक्षण दिया।

डीसी ने बताया कि पिछले वर्ष लिपिकों को लेखा परीक्षा से पूर्व विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया था। परिणामस्वरूप लेखा परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले निम्न वर्गीय लिपिकों के प्रतिशत में काफी बढ़ोतरी हुई थी। इस वर्ष भी समाहरणालय के 60 लिपिकों से लेखा परीक्षा में शामिल होने का आवेदन प्राप्त हुआ। इनके लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। वहीं मंगलवार को आयोजित प्रशिक्षण में बोर्ड प्रकीर्ण नियमावली, सेवा नियमावली, सामान्य भविष्य निधि, यात्रा भत्ता का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने की डीसी से मुलाकात

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने सोमवार को डीसी आदित्य रंजन से मुलाकात की। दौरान देहरादून में प्रशिक्षणरत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2025 बैच के सात प्रशिक्षु अधिकारियों धनबाद के दौरे पर हैं। सभी ने डीसी सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन से मुलाकात की। इससे पूर्व उन्होंने बाबूडीह स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण किया। वे सदर अस्पताल के पैट्रियोटिक वार्ड, गोविंदपुर के गोड़तोपा में एफपीओ, गोविंदपुर के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय तथा कृषक पाठशाला का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान वे उसकी विविध गतिविधियों से रूबरू हुए। डीसी ने बताया कि सभी प्रशिक्षु आईएएस पदाधिकारी भारत दर्शन कार्यक्रम के तहत धनबाद दौरे पर है।

इनको अलग- अलग राज्यों में गुड गवर्नेंस की पहलों से परिचित कराया जाता है, जो उनमें युवा सिविल सेवक के लिए कौशल विकसित करेगा। उनको कॉमर्स और इंडस्ट्री, रिसोर्स तथा फाइनेंस और इकोनॉमी के सेक्टर का अनुभव देगा। मौके पर जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा तथा डीएमएफटी पीएमयू टीम के सदस्य मौजूद थे।

पेपर लीक पर धनबाद युवा कांग्रेस का हल्ला बोल, केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : देशभर में बढ़ती महंगाई और प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार आ रही पेपर लीक के मामलों को लेकर युवा कांग्रेस ने सोमवार को धनबाद में केंद्र सरकार के खिलाफ हल्ला बोल के तहत मोर्चा खोल दिया। युवा कांग्रेस कार्यकताओं ने आक्रोश रैली निकालकर अपनी नाराजगी जताई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। आईआईटी-आईएसएम के मुख्य द्वार के समीप से शुरू हुई यह रैली पुलिस केंद्र होते हुए रणधीर वर्मा चौक स्थित धरना स्थल तक पहुंची। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर जवाब मांगा।युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार हो रहे पेपर लीक ने लाखों अभ्यर्थियों की मेहनत और उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इससे न केवल परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है, बल्कि युवाओं में निराशा और असंतोष भी बढ़ा है। नेताओं का आरोप था कि सरकार युवाओं को रोजगार और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था देने में असफल साबित हुई है। आज के इस कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के शामिल होने की संभावना थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से वे धनबाद नहीं पहुंच सके। इसके बावजूद कार्यकताओं ने पूरे जोश के साथ प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। युवा कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक नहीं लगाई गई और युवाओं की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. नेहा प्रियदर्शनी यूथ आइकॉन अवार्ड-2026 से सम्मानित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः :धनबाद की प्रसिद्ध आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. नेहा प्रियदर्शनी को आईवीएफ के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और बेहतर परिणामों के लिए दिल्ली में आयोजित समारोह में यूथ आइकॉन अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान इंडियन सोसायटी फॉर असिस्टेड रिप्रोडक्शन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रदान किया गया। इस उपलब्धि की जानकारी देने के लिए सोमवार को धनबाद के सिटी सेंटर स्थित सात्विक आईवीएफ में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में डॉ. प्रतिभा राय और डॉ. शिवानी झा ने बताया कि 5 जून 2026 को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. नेहा प्रियदर्शनी को यूथ आइकॉन अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष आईवीएफ के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों को दिया जाता है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी डॉ. नेहा प्रियदर्शनी को 12 जनवरी 2025 को मुंबई में आयोजित 67वें एआईसीओजी सम्मेलन में फेडरेशन ऑफ

ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा स्वर्गीय डॉ. एसएन मल्होत्रा अप्रिसिएशन अवार्ड- 2025 से सम्मानित किया जा चुका है।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. नेहा प्रियदर्शनी ने बताया कि सात्विक आईवीएफ अपनी 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर 10 जुलाई को निःशुल्क महिला स्वास्थ्य एवं बांझपन जागरूकता शिविर का आयोजन करेगा। शिविर में महिलाओं को निःशुल्क परामर्श, बांझपन जांच, अल्ट्रासाउंड, हीमोग्लोबिन एवं शुगर जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही आईवीएफ पैकेज, दवाइयों और संबंधित रक्त जांचों पर 10 प्रतिशत की विशेष छूट भी दी जाएगी।प्रेस वार्ता में डॉ. नेहा प्रियदर्शनी, डॉ. शिवानी झा, डॉ. विश्वनाथ चौधरी, डॉ. प्रतिभा राय, डॉ. रीना बर्नवाल, विजय झा, गौतम मंडल और कृष्ण अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

12 साल बेमिसाल अभियान को सफल बनाने का संकल्प

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर के मनईटांड़ मंडल की बैठक मंडल में 12 साल, बेमिसाल को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। अध्यक्षता इंद्र भूषण कुशवाहा ने की। मंडल प्रभारी पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित विशेष रूप से उपस्थित थे।बैठक में पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं जनसरोकारों से जोड़ने के विषय पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ विशेष गहन पुनरीक्षण सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचारवि मर्श किया गया। इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12

वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे ₹12 साल बेमिसाल₹ अभियान के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई तथा अभियान की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यकताओं ने एक स्वर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश द्वारा प्राप्त ऐतिहासिक उपलब्धियों, सुशासन, विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने तथा संगठन विस्तार के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प दोहराया। मंडल प्रभारी पंकज सिन्हा ने कहा कि संगठन की मजबूती भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है। भाजपा के कार्यकर्ता सालों भर आमलोगों के बीच रहकर सेवा कार्य करते है। कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिला मंत्री मौसम सिंह , वरिष्ठ नेता भृगुनाथ भगत , किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष अनिल सिन्हा, वरिष्ठ नेता दिलीप सिंह , मंडल उपाध्यक्ष अजीत शर्मा , महिला मोर्चा की पूर्व जिला अध्यक्ष आशा पांडेय जी, जीराखान सिंह, दीपक गुप्ता , विकास गुप्ता सहित मंडल के सम्मानित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक का समापन ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास₹ के संकल्प के साथ हुआ तथा भाजपा के संगठनात्मक विस्तार एवं जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति देने का निर्णय लिया गया।

साइबर अपराधियों को बैंक खाता उपलब्ध कराने वाला अपराधी गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। आमजनों को झांसे में लेकर उनका बैंकों में खाता खुलवाने व खाते का ब्योरा साइबर क्रिमिनल को बेच देने के आरोपी संतोष गोराई को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार खाता खुलवाने वालों को संतोष 5 हजार रु तक देता था। उनसे बैंक खाता से लिंक एटीएम एवं रजिस्टर्ड मोबाइल नं० का सिम कार्ड ले लेता था।बाद में इन सब बैंक खाताओं को एटीएम एवं मोबाइल सिम के साथ साइबर अपराधियों को 20 से 25 हजार रुपये लेकर बेच देता था।पकड़ा गया आरोपी संतोष गोराई तीसरा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। आरोपी के पास से एक मोबाइल और 6 सिम कार्ड तथा विभिन्न बैंको के 7 एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं।डीएसपी साइबर ने प्रेस कॉन्फ्रेस में बताया कि पुराना बरवाअड्डा थाना के सामने कृष्णा इंटरनेट कैफे में छापामारी के क्रम में साइबर अपराधी संतोष कुमार गोराई पकड़ा गया। पूर्व में भी तीसरा थाना में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज है।

9-06-2026 T.P. Page 4_Layout 1 09-06-2026 06:20 Page 1

श्रावणी मेला को लेकर परिवहन व्यवस्था पर मंथन, वाहनों के रूट व किराया तय

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : जरमुंडी मुख्यालय स्थित सभागार में सोमवार को एसडीओ कौशल कुमार की अध्यक्षता में बस, ऑटो, टोटो एवं टेंपो संचालकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में श्रावणी मेला-2026 के दौरान यात्री वाहनों के संचालन, रूट निर्धारण, पड़ाव स्थल एवं यातायात व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बाहर से आने वाले वाहनों के साथ-साथ दुमका, देवघर एवं बासुकिनाथ रूट पर चलने वाले स्थानीय वाहनों के संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।एस-ाडीओ ने बताया कि जमुआ, दर्शनिया मार्ग होते हुए सरडीहा तक वाहनों का रूट रहेगा।वहीं रेलवे स्टेशन से आने वाले टोटो का पड़ाव नंदी चौक के समीप निर्धारित किया गया है।ड-ाटीओ मृत्युंजय कुमार ने बताया कि बासुकिनाथ रेलवे स्टेशन एवं पालोजोरी से आने वाले वाहन मुख्य मार्ग से गरडी होते हुए दर्शनिया मार्ग से मेला क्षेत्र में प्रवेश करेंगे। कैराबानी में बड़े वाहनों को ड्रॉप गेट के माध्यम से रोका जाएगा, जबकि ब्लॉक मैदान के समीप छोटे वाहनों का पड़ाव रहेगा।मेला क्षेत्र में वाहनों के प्रवेश पर सख्ती से रोक रहेगी।रेलवे स्टेशन से आने वाले छोटे वाहनों को केवल गोदाम रोड तक आने की अनुमति होगी।बस संचालकों ने बस स्टैंड परिसर में शिविर लगाने की मांग रखी, जिस पर प्रशासन ने सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।एसडीओ ने सभी यात्री वाहनों में अग्निशमन यंत्र लगाना अनिवार्य बताते हुए चालक एवं उपचालकों को इसके संचालन का प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया।अग्निशमन विभाग को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। एसडीओ ने कहा कि मंदिर के आसपास व मेला क्षेत्र से सरकारी जमीन पर से अतिक्रमण को अविलंब हटावें। उन्होंने नपं कार्यपालक पदाधिकारी सर्जेन मरांडी को पुलिस का मदद लेकर सरकारी जमीन पर से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया। कहा वैसे जगहों पर शिविर लगाकर यात्रियों को सुविधा दी जायेगी। कहा एक आदमी को सुविधा देने के लिए सैकड़ों लोगों को असुविधा होती है। निर्देश का अनुपालन नहीं होने पर न्याय संहिता एवं नगरपालिका अधिनियम के तहत कारवाई की जायेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए खोया पाया कोषांग भी बनाया जायेगा। सभी आवश्यक मोबाइल नंबर का डिस्प्ले किया जायेगा ताकि यात्रियों को सुविधा मिले। श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।एसडीओ ने मेला क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए स्पष्ट कहा कि मेला क्षेत्र के किसी भी मार्ग पर वाहन चालकों को जहां-तहां पार्किंग करने की अनुमति नहीं होगी। सड़क किनारे ऑटो, टोटो एवं अन्य वाहनों की अवैध पार्किंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।एसडीओ ने कहा कि अनियंत्रित एवं अव्यवस्थित पार्किंग के कारण श्रद्धालुओं और यात्रियों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मेला अवधि में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है।एसडीओ ने बताया कि श्रावणी मेला के दौरान जमुआ स्थित एनएच-114ए मार्ग से वाहनों का निर्धारित रूट रहेगा। सभी वाहन चालकों को तय मार्ग का पालन करना होगा, ताकि यातायात सुचारू रहे और श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिल सके। प्रशासन द्वारा नियमों के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी. बैठक में टोटो एवं अन्य छोटे वाहनों के किराया दर का निर्धारण भी किया गया।रेलवे स्टेशन से गोदाम रोड तक 15 रुपये, स्टेशन से बस स्टैंड तक 20 रुपये तथा बेलगुमा रोड तक 15 रुपये प्रति यात्री किराया तय किया गया।ऑटो, टोटो एवं अन्य तीनपहिया वाहनों को रिजर्व करने पर 100 रुपये प्रति वाहन तथा नौ सवारी वाले टेंपो के लिए 120 रुपये प्रति वाहन किराया निर्धारित किया गया। एसडीओ एवं डीटीओ ने स्पष्ट किया कि सभी वाहनों का रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस एवं चालक के पास वैध ड्राइविंग ला-इसेंस होना अनिवार्य है।नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को जब्त किया जाएगा।मेला अवधि में रात 11 बजे से सुबह 2 बजे तक ही छोटे मालवाहक वाहनों को मेला क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति रहेगी। रविवार एवं सोमवार को मालवाहक वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।बैठक में ड-ाटीओ मृत्युंजय कुमार, बीडीओ कुंदन भगत, सीओ संजय कुमार, एसडीपीओ नवल किशोर सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष वीणा देवी, उपाध्यक्ष रोहित कुमार राउत एवं कार्यपालक पदाधिकारी सारजेन मरांडी, इंस्पेक्टर दयानंद झा, बस मालिक संजीव झा, पप्पू झा, बबलू झा, आनंद शंकर झा, हेमकांत गिरी, निरंजन मंडल, रंजीत पांडेय, संदीप पांडेय, ऋषिकेश पांडेय सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

टाटा मोटर्स, कमिंस और हिताची में महंगाई भत्ते में वृद्धि, कर्मचारियों को मिलेगा लाभ,1 जून से प्रभावी हुई बढ़ोतरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : टाटा मोटर्स, टाटा कमिंस और टाटा हिताची के कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। औद्योगिक श्रमिकों के लिए परिवर्तनशील महंगाई भत्ते (वेरिएबल डियरनेस अलाउंस - वीडीए) में 55 अंकों की वृद्धि हुई है।इस वृद्धि के साथ ही तीनों कंपनियों के कर्मचारियों के मासिक वेतन में इजाफा हो गया है।नयी दरें 1 जून, 2026 से प्रभावी कर दी गयी हैं।टाटा मोटर्स में प्रति प्वाइंट 2 रुपये वीडीए का प्रावधान है।इस प्रकार कर्मचारियों के वेतन में प्रतिमाह 110 रुपये की वृद्धि होगी।टाटा कमिंस में प्रति प्वाइंट 2.50 रुपये की दर निर्धारित है।जिससे कर्मचारियों को प्रतिमाह 137.50 रुपये का लाभ मिलेगा। जबकि टाटा हिताची में प्रति प्वाइंट 3 रुपये की दर से महंगाई भत्ता मिलता है।जिसके तहत कर्मचारियों को 165 रुपये की बढ़ोतरी मिलेगी।कंपनी प्रबंधन ने ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (औद्योगिक श्रमिकों के लिए, आधार 1960 100) के आंकड़ों के आधार पर यह निर्णय लिया है। सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी, मार्च और अप्रैल 2026 के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का औसत 9806.01 अंक रहा है। पिछली तिमाही में भुगतान किये गये सूचकांक (9751 अंक) की तुलना में इसमें 55 अंकों की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गयी है। जिसके आधार पर भत्ते को संशोधित किया गया है। कंपनी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि महंगाई भत्ते की समीक्षा हर तीन माह पर की जाती है। वेरिएबल डियरनेस अलाउंस की अगली समीक्षा 1 सितंबर, 2026 से प्रभावी होगी। यह मई, जून और जुलाई 2026 के ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के औसत आंकड़ों पर आधारित होगी।

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में महिला बंदी के गर्भवती होने के मामले में मेडिकल व जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश,मामले की अगली सुनवाई 17 जून को होगी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट ने बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार होटवार में एक महिला बंदी के गर्भवती होने के मामले में स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई की।चीफ जस्टिस एमएस सोनक व जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार का पक्ष सुना।सरकार के जवाब पर नाराजगी जतायी। खंडपीठ ने डीजीपी व कारा महानिरीक्षक के शपथ पत्र पर असंतोष प्रकट करते हुए जवाब सिर्फ मामले को टालने का प्रयास है। पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही जा रही है। अब तक मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट क्यों नहीं आयी। खंडपीठ ने मौखिक रूप से कहा कि डीजीपी इस मामले को कारा महानिरीक्षक का मामला बताते हुए अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते हैं।जब यह मामला कोर्ट के संज्ञान में आया, तो पीड़िता को तुरंत जमानत दे दी गयी।खंडपीठ ने मामले में राज्य सरकार को पीड़ित महिला की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।वहीं खंडपीठ ने जुडिशियल मजिस्ट्रेट रांची द्वारा की गयी जांच की रिपोर्ट भी पेश करने को कहा।मामले की अगली सुनवाई के लिए खंडपीठ ने 17 जून की तिथि निर्धारित की। इससे पूर्व राज्य सरकार की ओर से मामले में जबाव दायर किया गया।उल्लेखनीय है कि पिछली सुनवाई में राज्य सरकार की ओर से बताया गया था कि मामले की जांच को लेकर गृह विभाग ने तीन सदस्यीय समिति बनायी है।वही डालसा रांची की जांच टीम के आलोक में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट रांची श्रुति सोरेन की ओर से मामले की जांच जा रही है। प्रतिपक्ष नेता बाबूलाल मरांडी के पत्र व समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर को झारखंड हाइकोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए उसे जनहित याचिका में तब्दील कर दिया था।

टाटा पावर : 414 मिलियन ग्रीन माइल्स का सफर तय कर बचाया 50 हजार टन कार्बन उत्सर्जन ई-मोबिलिटी को बढ़ावा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : टाटा पावर कंपनी ने अपने व्यापक ईवी चार्जिंग नेटवर्क के माध्यम से देश भर में 414 मिलियन ग्रीन माइल्स (प्रदूषण मुक्त सफर) का सफर तय किया है।यह पहल न केवल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को मुख्यधारा में ला रही है। बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।टाटा पावर के चार्जिंग इको सिस्टम ने अब तक 7.5 लाख से अधिक चार्जिंग सत्र पूरे किये हैं।कंपनी के इस प्रयास से भारत में लगभग 50,000 टन सीओ टू उत्सर्जन को रोकने में मदद मिली है। वर्तमान में टाटा पावर का नेटवर्क देश के 700 से अधिक शहरों और कस्बों में 5,500 से अधिक सार्वजनिक चार्जिंग पॉइंट तक फैल चुका है।जिससे शहर से लेकर हाईवे तक ईवी चार्जिंग की सुविधा सुलभ हो गयी है।इसके अतिरिक्त कंपनी ने ऑटोमोटिव कंपनियों के साथ साझेदारी करके भारत भर में 2.3 लाख से अधिक होम चार्जर भी स्थापित किये हैं।

पिठौरिया में हुए फायरिंग मामले में दो गिरफ्तार,पिस्तौल,गोली और बाइक बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची के पिठौरिया मे गत दो जून को हत्या की साजिश रचने और जान मारने की नियत से गोली चलाने के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पत्रकारों से बातचीत मे रांची के ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने बताया कि दो जून की शाम रांची के मदनपुर ग्राम निवासी फिरोज अंसारी पर जानलेवा हमला किया गया था। उन्होंने बताया कि कोकदोरो ग्राम निवासी अफसर अंसारी और शोएब अंसारी ने हत्या के इरादे से उनपर गोली चलाई थी जिसमे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस ने घटना मे प्रयोग किए गए पिस्तौल, गोली और मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया है। पुलिस ने बताया कि 2022 मे हुई एक हत्या के मामले मे फिरोज पर गवाही न देने के लिए ये आरोपी दबाव बना रहे थे और इसी सिलसिले मे उन्होंने इनकी हत्या का भी प्रयास किया। फिलहाल, आरोपियों को हिरासत मे लेकर पुलिस मामले का अनुसन्धान कर रही है।

आजसू के संघर्ष से मिला राज्य,फिर करेंगे उलगुलान : सुदेश महतो

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा है कि आजसू ने संघर्ष कर अलग राज्य का निर्माण किया है। लेकिन अभी तक शहीदों के सपनों का झा-रखंड नहीं बन पाया है। राज्य में माफिया राज चल रहा है। शोषण और लूट के खिलाफ आवाज उठाने वालों को जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजसू का स्थापना दिवस 22 जून को धनबाद में आयोजित करने का निर्णय हुआ है, जहां से एक नए उलगुलान के लिए संघर्ष का बिगुल फूंका जाएगा।आजसू पार्टी केन्द्रीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आजसू प्रमुख श्री महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक जायका हैपीनेस बैंक्वेट हॉल के सभागार में संपन्न हुई, बैठक में 5 जुलाई को रांची में महिलाओं का तथा 7झ8 अगस्त को जमशेदपुर में युवा आजसू का महाधिवेशन आयोजित किया जाएगा।इस मौके पर सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, मांडू विधायक निर्मल महतो, बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष डोमन सिंह मुंडा, पूर्व मंत्री राम चंद्र सहिस, पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, मुख्य प्रवक्ता डॉ. देव-शरण भगत तथा केन्द्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर जी ने भी बैठक को संबोधित किया।

बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी रणनीति पर मंथन के लिए ये बैठक बुलाई गई। राज्य के जनसरोकार और समसामयिक राजनीतिक मुद्दों पर भी गहन चर्चा हुई।बैठक में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया और राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर विशेष चर्चा की गई।झारखंड की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की गई तथा राज्य सरकार के कार्यों की समीक्षा की गई तथा राज्य के वर्तमान हालात पर चिंता व्यक्त की गई। संगठन विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए बूथ, पंचायत, प्रखंड, जिला एवं राज्य स्तर पर संगठन को मजबूत करने की रणनीति बनी।पार्टी के अनुषंगी संगठनों महिला, युवा, छात्र, किसान, एससी, एसटी, ओबीसी एवं श्रमिक संगठनों के सम्मेलन पर चर्चा हुई तथा 5 जुलाई को रांची में महिला महाधिवेशन और 7झ8 अगस्त को जमशेदपुर में युवा महाधिवेशन करने का निर्णय लिया गया।

धनबाद की घटना पर विचार-विमर्श एवं घटना की समीक्षा एवं पार्टी की प्रतिक्रिया एवं भावी आंदोलनात्मक कार्यक्रम पर चर्चा हुई तथा संघर्ष तेज करने का निर्णय लिया गया।बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा झारखंड के विकास एवं जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने का संकल्प लिया गया। केन्द्रीय महासचिव संतोष महतो, हरे लाल महतो, यशोदा देवी, निर्मला भगत, काशीनाथ सिंह, संजय मेहता, जयपाल सिंह, केन्द्रीय सचिव बबिता देवी, बोकारो जिलाध्यक्ष सचिन महतो, राजेश महतो, अश्विनी महतो, प्रो. अल्लाउद्दीन अंसारी, दुर्गा चरण महतो, ध्रुव साह, नवीन महतो, संतोष महतो, टिकैत महतो, सुशेन रजवार, सूरज महतो, डा के पी सिन्हा, कृष्ण प्रसाद महतो, गोविंद प्रसाद सहित केंद्रीय समिति सदस्य, जिलाध्यक्ष, अनुषंगी संगठनों के पदाधिकारी, जिप सदस्य आदि उपस्थित रहे।चंदनकियारी के युवा नेता विकास बाउरी, समाजसेवी पंकज सिंह, भारतीय रजवार विकास संघ के धर्म देव रजवार,पूर्व कार्यपालक अभियंता सुरजन कपर-दार आदि ने सुदेश महतो के समक्ष आजसू का दामन थामा। उनलोगों के नेतृत्व में सैकड़ों युवाओं ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

तोरपा प्रखंड कांग्रेस कमेटी की एक विशेष बैठक संपन्न

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूँटी : तोरपा प्रखंड कांग्रेस कमेटी की एक विशेष बैठक प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष अजय गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा एवं प्रखंड प्रभारी प्रनीत तोपनो की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक का मुख्य एजेंडा एसआईआर पर गहन चर्चा करना था। इस दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर पार्टी की आगामी रणनीति पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रखंड के सभी कांग्रेस बी.एल.ए. उपस्थित रहे। बी.एल.ए. साथियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने बूथों पर मतदाता सूची का सत्यापन कार्य पूरी निष्ठा एवं सक्रियता से करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी योग्य मतदाता का नाम सूची से न छूटे और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि एसआईआर लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेगा। प्रखंड प्रभारी प्रनीत तोपनो ने बी.एल.ए. साथियों के कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अध्यक्षता कर रहे प्रखंड अध्यक्ष अजय गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तोरपा कांग्रेस एसआईआर के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी और पार्टी पूरी तरह से तैयार है। बैठक में सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया कि तोरपा प्रखंड में एस आई आर. अभियान को सफल बनाने हेतु कांग्रेस संगठन कोई कसर नहीं छोड़ेगा। प्रखंड एवं जिला पदाधिकारियों को भी पंचायत की जिम्मेदारी सौंपी गई। जिसमें ओकड़ा पंचायत में. बन्दु भेंगरा, जरिया.,ब्रजेश सिंह, डोडमा. प्रवीन कुमारकर, सोन्दारी अजय कुमार गुप्ता, ,हुसीर .. हेलेन तिड़ू,फटका सलीम तोपनो, तपकरा ,तैयब आन्सारी, बरकुली,परसुराम दास, तोरपा,, फुलजेम्स तोपनो, उकडीमाडी, अमरदीप भेंगरा, दियाकेल, सामडोम तोपनो, अम्मा तुरतन तोपनो,उडिकेल, नमन तोपनो, मरचा, नामजन तोपनो, कमडा,,नमन तोपनो को पंचायत प्रभारी नियुक्त किया गया।मौके पर आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, नमन तोपनो, नमजन तोपनो, सलिम तोपनो, विपिन तोपनो, पतरस तोपनो, बधना तोपनो, अनमोल होरो, विवेकानंद कुमार,तुरतन तोपनो, फिलिप तोपनो, सुजल तोपनो, विजय तोपनो, रोबिन तोपनो, जुनस तोपनो, मार्टिन हेम्ब्रोम आदि उपस्थित थे।

आर्म्स एक्ट के दो आरोपी को पांच पांच वर्ष कैद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम दीपक वर्णवाल के कोर्ट ने सोमवार को आर्म्स एक्ट के मामले में सुनवाई करते हुए दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए पांच पांच वर्ष सश्रम कारावास का सजा सुनाया है।साथ ही पांच पांच हजार रूपए का जुमार्ना भी लगाया है। सजा पाने वाले दोषियों में बालीडीह हाउसिंग कॉलनी निवासी विजय यादव व अजय यादव शामिल है। सरकार की ओर से कोर्ट में अभियोजन का पक्ष रखने वाले लोक अभियोजक राजीव कुमार ने यह जानकारी दी है।उन्होंने बताया कि घटना बालीडीह थाना क्षेत्र में 24 अप्रैल 2022 की शाम सात बजे घटी। दुकानदार रमाकांत सिंह अपने दुकान पर बैठकर फोन से बात कर रहे थे। इस बीच दोषी विजय यादव ने पिस्तौल से जान मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जब सूचक इधर उधर भागने लगा तो अजय यादव ने भी फायरिंग शुरू कर दी।फायरिंग की आवाज सुनकर भाई व पिता दौड़कर बाहर निकले और दोनों दोषियों को पकड़ लिया। फिर दोनों को बालीडीह पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने दुकानदार के बयान पर आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया था।पुलिस ने घटनास्थल से छह खोखे बरामद किए थे।

परिवहन सचिव ने जिला परिवहन पदाधिकारियों व एमवीआइ को राजस्व वसूली का कार्य बेहतर तरीके से करने का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : परिवहन सचिव राजीव रंजन ने राज्य के सारे जिला परिवहन पदाधिकारियों व एमवीआइ को राजस्व वसूली का कार्य बेहतर तरीके से करने का निर्देश दिया है।इसके तहत उन्होंने मासिक लक्ष्य तय कर काम करने को कहा है। सचिव ने कहा कि हर हाल में मासिक लक्ष्य तय करें। इससे आगे चल कर शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने में सहुलियत होगी।उन्होंने राजस्व वसूली के लिए कार्य योजना तैयार करने को कहा है।अधिकारियों से कहा है कि किस तरह राजस्व की वसूली करनी है, इसका प्लान रखें. इसके बाद इस पर काम करें।सचिव ने यह भी निर्देश दिया है कि जिन जिलों ने पिछले वित्तीय वर्ष में शत प्रतिशत राजस्व की वसूली नहीं की है, वे इसकी समीक्षा करें कि वे कहां पर चूके हैं।यह देखें कि किन बिंदूओं पर कम वसूली हुई है।शत प्रतिशत वसूली में जहां भी अड़चनें हुई है, उसे दूर करने को कहा है। सचिव ने अधिकारियों से कहा कि अगर राजस्व वसूली के लिए उन्हें फोर्स चाहिए, तो इस पर अपने जिले के उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक की मदद लें।

जानपुर में मिला युवक का शव, जमीन विवाद में हत्या की बात

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : डोमचांच थाना क्षेत्र के जानपुर में सोमवार को एक युवक का शव गांव स्थित कुंआ से बरामद हुआ।शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। मतक की पहचान पंकज चौधरी 40 वर्ष पिता अर्जुन चौधरी के रूप में हुई है।मृतक मजदूरी का काम करता था.शव बरामद होने के बाद मृतक की पत्नी ने जमीन विवाद में हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार मृतक गांव व आसपास मजदूरी का काम करता था और झोपड़ी नुमा घर पर परिवार के साथ रहता था।झोपड़ी से मात्र कुछ फीट दूर स्थित कुंआ से उसका शव बरामद हुआ।उसकी पत्नी रिंकी देवी ने बताया कि जमीन विवाद के चलते मेरे पति की हत्या की गई है। पत्नी के अनुसार सुबह चार बजे जब मैं सोकर उठी तो पति नहीं दिखे. काफी खोजबीन किया, लेकिन नहीं मिले। बाद में इसकी सूचना मुखिया मंसूर अली और गांव वालों को दी।काफी खोजबीन के बाद झोपड़ी के समीप एक कुंआ से शव बरामद किया गया।शव में चोट के निशान थे। शव मिलते ही परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मृतक के दो छोटे- छोटे बच्चे हैं।सूचना पर डोमचांच पुलिस मौके पर पहुंची व

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी अभिमन्यु पडिहारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा कि मामला हत्या का है या कुछ और थाना प्रभारी के अनुसार घटना को लेकर सोमवार देर शाम तक कोई आवेदन नहीं दिया गया था।रिंकी देवी ने आरोप लगाया कि मेरे पति के साथ हमेशा गोतिया लोग मारपीट करते थे।तीन दिन पहले मेरे पति को जमीन विवाद को लेकर धमकी दी गई थी।पति के साथ सुनील चौधरी, जीतन पासी और चचेरी गोतनी आदि ने मारपीट की थी। इन्हीं लोगों ने अन्य के साथ मिलकर पति की हत्या कर कुंआ में फेंक दिया है।घटना को लेकर थाना में आवेदन देने की तैयारी चल रही थी। इधर, ग्रामीणों ने बताया कि करीब 25 वर्ष पूर्व पंकज के पिता अर्जुन चौधरी का निधन हो गया था।इसके बाद पंकज की मां उसे अपने साथ लेकर रजौली (बिहार) अपने मायके चली गई थी।इसके बाद वे लोग वहीं रहने लगे। 6 माह पूर्व पंकज की मां का निधन हो गया। इसके बाद वह अपनी पत्नी व दो बच्चों को लेकर वापस जानपुर गांव में रहने आ गया था। उसके गांव आने के बाद से ही उसके रिश्तेदार (हिस्सेदार) से पंकज का विवाद शुरू हो गया और यह लंबे समय से चल रहा था।वे लोग पंकज को उक्त स्थल पर मकान बनाने का भी लगातार विरोध करते आ रहे थे, जिसके कारण मजबूरी में झोपडीनुमा घर में रह रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

110 वर्षीय पार्वती देवी ने जीवन यात्रा की पूर्ण,सेवा व सादगी से भरा रहा उनका लंबा जीवन

डुमरीचट्टी श्मशान घाट पर नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड की मोरहे पंचायत अंतर्गत पकरी गांव की सम्मानित एवं धर्मपरायण महिला पार्वती देवी का सोमवार को 110 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से न केवल परिवार, बल्कि पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। ग्रामीणों ने उनके निधन को एक ऐसे व्यक्तित्व की विदाई बताया, जिसने अपने जीवन मूल्यों और संस्कारों से कई पीढ़ियों को प्रेरित किया।पार्वती देवी अपनी सादगी, धार्मिक आस्था और उदार स्वभाव के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने अपने लंबे जीवनकाल में परिवार को संस्कारों की मजबूत नींव प्रदान की और समाज में सदैव सम्मानित स्थान बनाए रखा। गांव के बुजुर्गों के अनुसार, वे हमेशा लोगों को आपसी प्रेम, सद्भाव और नैतिक मूल्यों का संदेश देती थीं। उनके पुत्र कमलू सिंह सहित पूरा परिवार उनके निधन से गहरे शोक में है। पार्वती देवी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। सोमवार को डुमरीचट्टी स्थित ढाढर नदी श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण, शुभचिंतक और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरपीएफ ने इंटरसिटी एक्सप्रेस से 65 लीटर महुआ शराब किया बरामद

लालबाग-दिलवा स्टेशन के बीच साधारण कोच में लावारिस हालत में मिली शराब

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : रेलवे सुरक्षा बल द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सतर्क के तहत सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए धनबाद-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस से 65 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की गई। यह शराब ट्रेन के साधारण कोच में लावारिस हालत में रखी मिली।आरपीएफ पोस्ट कोडरमा के निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल ओपी गुरपा के उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार, प्रधान आरक्षी हरिमोहन मीणा एवं आरक्षी मिंकु कुमार द्वारा ट्रेन संख्या 13305 अप धनबाद-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस में प्रतिबंधित सामानों की निगरानी और जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान लालबाग और दिलवा स्टेशन के मध्य साधारण कोच में प्लास्टिक की तीन बोरियां संदिग्ध अवस्था में पड़ी मिलीं, जिनसे महुआ शराब की तेज गंध आ रही थी। कोच में मौजूद यात्रियों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने भी उक्त बोरियों पर अपना दावा नहीं किया। इसके बाद आरपीएफ टीम ने गवाहों की मौजूदगी में बोरियों की तलाशी ली। जांच के दौरान 13 प्लास्टिक पन्नियों में भरी कुल 65 लीटर देशी महुआ शराब बरामद हुई। उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार ने मौके पर ही जब्ती सूची तैयार कर शराब को जब्त कर लिया। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 6,500 रुपये बताई गई है। बाद में जब्त शराब को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कोडरमा लाया गया, जहां से आवश्यक कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सुपुर्द कर दिया गया।

फतेहपुर में उधार की रकम मांगना एक युवक को पड़ा महंगा

युवक पर हमला व चेन छीनने का आरोप

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के ताजपुर गांव में उधार दिए गए 50 हजार रुपये वापस मांगने गए एक युवक के साथ मारपीट, जातिसूचक गाली-गलौज करने और सोने की चेन छीनने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने फतेहपुर थाना में लिखित आवेदन देकर आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ताजपुर निवासी सदानंद कुमार ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि करीब एक वर्ष पूर्व उन्होंने गांव के ही रंजन कुमार को पढ़ाई के लिए 50 हजार रुपये उधार दिए थे। रंजन कुमार ने छह माह के भीतर राशि लौटाने का आश्वासन दिया था, लेकिन समय बीतने के बाद भी रुपये वापस नहीं किए। सदानंद लगातार अपने पैसे की मांग कर रहा था।

आरोप है कि रविवार की शाम करीब सात बजे वह रुपये मांगने रंजन कुमार के घर पहुंचा। इस दौरान रुपये लौटाने से इनकार करने पर विवाद बढ़ गया। सदानंद का आरोप है कि रंजन कुमार के भाई साहिल कुमार, इंद्रजीत सिंह और सुभाष सिंह ने उनके साथ गाली-गलौज की तथा जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी।पीड़ित के अनुसार साहिल कुमार ने बंदूक के कुंदे से उनकी आंख के पास वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद अन्य आरोपितों ने लाठी-डंडे से मारपीट की। मारपीट के दौरान गले से सोने की चेन छीन लेने का भी आरोप लगाया गया है। घटना में शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोट लगने की बात कही गई है। फतेहपुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के निःशुल्क इलाज को लेकर परिवहन विभाग ने चलाया जागरूकता अभियान

डेल्हा-कुजापी-पंचानपुर मुख्य सड़क पर चला विशेष जनजागरण कार्यक्रम

गया जी(एजेंसी) : सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को समय पर और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को जिला परिवहन विभाग द्वारा जनजागरण अभियान के तहत विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया।डेल्हा- कुजापी-पंचानपुर मुख्य सड़क पर आयोजित इस अभियान का नेतृत्व डीटीओ राजेश कुमार ने किया। इस दौरान विभागीय कर्मियों ने राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए लागू निःशुल्क उपचार योजना की जानकारी दी। डीटीओ राजेश कुमार,एडीशनल डीटीओ बेबी कुमारी ने

अभियान के दौरान लोगों को बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले व्यक्तियों को अब सरकारी एवं चयनित निजी अस्पतालों में 1.50 लाख रुपये तक का निःशुल्क और कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना का उद्देश्य दुर्घटना के बाद उपचार में होने वाली देरी को रोकना तथा पीड़ितों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।जागरूकता अभियान के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति या उसके परिजनों को उपचार के खर्च की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। केंद्र एवं राज्य सरकार की इस महत्वपूर्ण पहल के तहत निर्धारित अस्पतालों में कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके लिए लोगों को योजना की जानकारी होना बेहद आवश्यक है।

जनसुनवाई में मंत्री श्रवण कुमार, लेसी सिंह एवं सुनील कुमार ने सुनीं आमजनों की समस्याएँ

- एनडीए के पास पर्याप्त संख्याबल, सभी 9 सीटों पर जीत को लेकर कोई संशय नहीं- श्रवण कुमार

- निजी स्वार्थ की राजनीति करती है राजद, आम जनता से कोई सरोकार नहीं- लेसी सिंह

- जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण सहयोग शिविर का उद्देश्य- सुनील कुमार

पटना, (एजेंसी) सोमवार को जद (यू) के प्रदेश कार्यालय, पटना में बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार, मंत्री लेसी सिंह एवं मंत्री सुनील कुमार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। इस दौरान समस्याओं के त्वरित एवं

समयबद्ध निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस मौके पर मीडिया से बातचीत में मंत्री श्रवण कुमार ने निशांत कुमार सहित एनडीए की ओर से विधान परिषद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले सभी उम्मीदवारों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि एनडीए के पास पर्याप्त संख्याबल है और सभी 9 सीटों पर जीत को लेकर किसी प्रकार का कोई संशय नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार समय-समय पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लेती है तथा लालू परिवार को भी निर्धारित नियमों के अनुसार पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि एनडीए सरकार दुर्भावना से कोई कार्य नहीं करती है। आवास आवंटन हो या सुरक्षा से जुड़ा कोई मामला, सभी निर्णय निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि राजद के लोगों को जनता से कोई सरोकार नहीं है और वे केवल निजी स्वार्थ की राजनीति में लगे रहते हैं। मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि पंचायत स्तर पर आयोजित ह्यसहयोग शिविरोंह्न से आम लोगों को सीधे लाभ मिल रहा है तथा उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को सहयोग शिविर आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करना है। इस जनहितकारी पहल को लेकर आम जनता में काफी उत्साह का वातावरण है।

आरपीएफ ने कोडरमा स्टेशन से 72 कैन बीयर के साथ दो तस्कर को दबोचा

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कोडरमा ने ऑपरेशन सतर्क के तहत कार्रवाई करते हुए कोडरमा रेलवे स्टेशन से बड़ी मात्रा में बीयर बरामद की है। साथ ही मौके से गया के दो युवकों को भी गिरफ्तार किया है। जब्त की गई बीयर की कुल मात्रा 36 लीटर तथा अनुमानित कीमत 10,800 रुपये बताई गई है। जानकारी के अनुसार आरपीएफ पोस्ट कोडरमा के निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में सोमवार सुबह आरपीएफ आ-रक्षी बृजेंद्र प्रताप सिंह एवं सोनू कुमार प्लेटफॉर्म संख्या-4 के कालका छोर पर पेट्रोलिंग ड्यूटी पूरी कर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर तीन काले रंग के पिट्ठू बैग के साथ खड़े दो संदिग्ध युवकों पर पड़ी। संदेह होने पर दोनों को रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ में युवकों ने अपनी पहचान दीपक कुमार (18 वर्ष), निवासी नईकी अहरी, थाना परैया, जिला गया तथा

राहुल कुमार (18 वर्ष), निवासी धर्मबीघा, थाना मगध मेडिकल, जिला गया के रूप में बताई। उनकी बैगों की तलाशी लेने पर दीपक के बैग से 24 कैन गॉडफादर द लीजेंडरी सुप्रीम स्ट्रांग बीयर तथा राहुल के दो बैगों से 48 कैन किंगफिशर स्ट्रांग प्रीमियम बीयर बरामद हुई। सभी कैन 500-500 मिलीलीटर क्षमता के थे।

आरपीएफ निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि पूछताछ में युवकों ने स्वीकार किया कि वे बेरोजगार हैं और बीयर को बिहार ले जाकर अधिक कीमत पर बेचने की योजना बना रहे थे। हालांकि बीयर के परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज वे प्रस्तुत नहीं कर सके।

इसके बाद गवाहों की मौजूदगी में जब्ती सूची तैयार कर कुल 72 कैन बीयर जब्त की गई तथा दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर आरपीएफ पोस्ट लाया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जब्त बीयर और दोनों आरोपितों को आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग के हवाले कर दिया गया।

त्रिवेणीगंज में अग्निशमन विभाग की सघन जांच, अस्पतालों और होटलों में मिलीं गंभीर सुरक्षा खामियां

सुपौल, (एजेंसी) : जिले के त्रिवेणीगंज अनुमंडल मुख्यालय क्षेत्र में सोमवार को अग्निशमन विभाग ने विशेष अभियान चलाकर निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम, क्लीनिक, होटल एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सघन जांच की।जांच के दौरान अधिकांश प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आई, जिस पर विभाग ने कड़ी नाराजगी जताते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए हैं।अग्निशमन विभाग की टीम ने अनुमंडलीय अस्पताल के आसपास संचालित निजी स्वास्थ्य संस्थानों तथा बाजार क्षेत्र के कई होटलों का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि अधिकांश जगहों पर आग से बचाव के लिए जरूरी संसाधनों का अभाव है।कई प्रतिष्ठानों में पर्याप्त क्षमता वाली पानी की टंकियां नहीं थीं, जबकि अग्निशमन कार्य के लिए आवश्यक हौज रील की व्यवस्था भी नहीं मिली। फायर सेफ्टी उपकरणों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पाई गई।अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी कमलेश यादव ने बताया कि निदेशक सह राज्य अग्निशमन पदाधिकारी के निर्देश पर क्षेत्र में विशेष जांच अभियान संचालित किया जा रहा है।अभियान के तहत अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और होटलों में अग्नि सुरक्षा प्रबंधन की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन प्रतिष्ठानों का अग्नि सुरक्षा ऑडिट पहले हो चुका है, लेकिन निर्धारित मानकों का अनुपालन नहीं किया गया है, उनके खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने बताया कि जिन संस्थानों का अब तक ऑडिट नहीं हुआ है, उनका शीघ्र ऑडिट कराया जाएगा और आवश्यक सुधार के लिए 15 दिनों की मोहलत दी जाएगी। होटल संचालकों को एलपीजी सिलेंडर उपयोग संबंधी वैध अनुमति प्रमाणपत्र के साथ स्व-घोषणा पत्र जमा करने का भी निर्देश दिया गया है। कमलेश यादव ने कहा कि होटल और अस्पताल जैसे सार्वजनिक स्थलों पर बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रहती है। ऐसे में असुरक्षित रसोई संचालन, एलपीजी भंडारण में अनियमितता, विद्युत ओवरलोडिंग, बंद निकासी मार्ग और निष्क्रिय अग्निशमन उपकरण किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं।

जांच के दौरान करीब आधा दर्जन प्रतिष्ठानों में गंभीर कमियां पाई गईं। विभाग ने 15 दिनों के भीतर सुधार कर पुनः सत्यापन कराने का निर्देश दिया है, अन्यथा सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

मनमाधो में पुलिस का शिकंजा से 100 लीटर देसी शराब व बाइक जब्त, तस्कर फरार

फतेहपुर (गया) (एजेंसी) : अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत टनकुप्पा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के मनमाधो क्षेत्र से करीब 100 लीटर देसी शराब बरामद की है। छापेमारी के दौरान शराब तस्करी में प्रयुक्त एक बाइक भी जब्त की गई, जबकि पुलिस की भनक लगते ही तस्कर मौके से फरार हो गया।थानाध्यक्ष बसंत कुमार राय ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में अवैध शराब की खेप पहुंचाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और देसी शराब बरामद कर ली। हालांकि मुख्य आरोपी पुलिस को देखते ही भाग निकलने में सफल रहा। उन्होंने बताया कि बरामद शराब और जब्त बाइक को थाना लाकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उन्होंने बताया कि शराब बरामदगी मामले में थाना में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही तस्कर की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से क्षेत्र के शराब तस्करों में हड़कंप मच गया है।

आरपीएफ की तत्परता से यात्री को मिला खोया हुआ बैग, 16 हजार रुपये का सामान सुरक्षित लौटाया

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : रेलवे सुरक्षा बल कोडरमा की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक यात्री को उसका खोया हुआ बैग सुरक्षित वापस मिल गया। इस सराहनीय कार्य से यात्री ने आरपीएफ का धन्यवाद व्यक्त किया।

आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि आरपीएफ को रेल मदद के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ट्रेन संख्या 12324 बाड़मेर-हावड़ा एक्सप्रेस में प्रयागराज से गया तक यात्रा कर रहे यात्री विशाल पुरी का ग्रीन रंग का छोटा हैंड बैग गया स्टेशन पर उतरने के दौरान ट्रेन में ही छूट गया है। सूचना मिलते ही कोडरमा स्टेशन पर तैनात आरपीएफ कर्मियों ने ट्रेन के आगमन पर कोच संख्या एस-3 के बर्थ संख्या 68 की जांच की, जहां से यात्री का बैग बरामद कर लिया गया। इसके बाद शिकायतकर्ता से मोबाइल फोन पर संपर्क कर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैग और उसमें रखे सामान का सत्यापन कराया गया। सत्यापन के

उपरांत बैग को आरपीएफ पोस्ट कोडरमा में सुरक्षित रखा गया।शि-ाकायतकर्ता के रिश्तेदार संदीप कुमार जैन, निवासी झुमरी तिलैया, आरपीएफ पोस्ट कोडरमा पहुंचे। आवश्यक सत्यापन के बाद उन्हें बैग सुपुर्द कर दिया गया। बैग में एक रेडमी मोबाइल फोन, चार्जर और पेट्रोन कंपनी का एयरफोन रखा हुआ था। बरामद सामान की अनुमानित कीमत लगभग 16 हजार रुपये बताई गई है।

सेवानिवृत्त टिकट चेकिंग अधिकारियों की भावभीनी विदाई

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन के खरखुरा मोहल्ला स्थित रेल सामुदायिक भवन में सोमवार को कमर्शियल विभाग की टिकट चेकिंग शाखा द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में टिकट चेकिंग विभाग के सीआईटी महावीर कुजूर एवं गणेश प्रसाद को सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभागीय अधिकारी, कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त रेलकर्मी उपस्थित रहे। सभी ने अपने संबोधन में दोनों अधिकारियों की कार्यनिष्ठा, अनु-शासन और विभाग के प्रति उनके योगदान की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि महावीर कुजूर और गणेश प्रसाद ने अपने लंबे सेवा काल में यात्रियों की सुविधा और

रेलवे की कार्य संस्कृति को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा-ई।विदाई समारोह के दौरान दोनों सेवानिवृत्त अधिकारियों को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की कामना की।

इस अवसर पर टीटीई अमरेश कुमार, सतीश कुमार, राजेश कुमार, गौतम कुमार, रेल कर्मचारी यूनियन के वरिष्ठ नेता मिथिलेश कुमार सहित टिकट चेकिंग शाखा के कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

खेत बचाओ अभियान में किसानों को दी गई रसायन मुक्त खेती की जानकारी

सुपौल, (एजेंसी) : किसानों को मिट्टी की सेहत संरक्षण, संतुलित पोषण प्रबंधन और रसायन मुक्त खेती के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को प्रखंड क्षेत्र के बौराहा पंचायत में ₹खेत बचाओ अभियान₹ का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, राघोपुर के वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ. मिथलेश कुमार रॉय ने की।इस दौरान वैज्ञानिक नीलेश कुमार, डॉ. अलीशा, डॉ. नित्यानंद तथा आत्मा सुपौल के पदाधिकारी मौजूद रहे। पंचायत के जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में किसानों ने कार्यक्रम में भाग लेकर खेती से जुड़ी समस्याओं और चुनौतियों पर चर्चा की।

वैज्ञानिकों ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मिट्टी की जांच कराए बिना उर्वरकों का प्रयोग करना वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उचित नहीं है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि मृदा जांच रिपोर्ट के आधार पर ही फसलों को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराएं। इससे उत्पादन लागत में कमी आएगी और फसल की उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए जैविक संसाधनों के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। वैज्ञानिकों ने हरी खाद, कम्पोस्ट, केंचुआ खाद, खली एवं सड़ी हुई गोबर खाद के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि इनके नियमित प्रयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहती है और जलधारण क्षमता में भी सुधार होता है।

इस अवसर पर डॉ. नित्यानंद ने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बाजार में रसायन मुक्त कृषि उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। प्राकृतिक खेती न केवल भूमि की गुणवत्ता को सु-रक्षित रखती है, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने और स्वास्थ्य संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

संपादकीय

पश्चिम बंगाल की राजनीति और गैंगस्टर राजनीति की तुलना

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह रही है कि सत्ता परिवर्तन चुनावों के माध्यम से होता है, न कि भय, हिंसा या दबाव के जरिए। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों में राजनीतिक हिंसा, दलगत संघर्ष, जांच एजेंसियों के उपयोग को लेकर उठते सवाल और मीडिया की भूमिका पर बढ़ती बहस ने लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर चिंताएं पैदा की हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति इन चचाओं के केंद्र में रही है। पश्चिम बंगाल लंबे समय से राजनीतिक हिंसा का गढ़ माना जाता रहा है। पहले वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस के बीच संघर्ष की घटनाएं सामने आती थीं, जबकि हाल के वर्षों में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं के बीच टकराव लगातार सुर्खियों में रहा है। चुनावों के दौरान और उसके बाद हिंसा, पार्टी कार्यालयों पर हमले, राजनीतिक कार्यकताओं की हत्याओं तथा विरोधी दलों के नेताओं के साथ दुर्व्यवहार की अनेक घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं पर समय-समय पर अदालतों और चुनाव आयोग ने भी चिंता व्यक्त की है।

राजनीतिक विश्लेषकों का एक वर्ग मानता है कि जब किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्षी दलों को लगातार दबाव, भय या हिंसा का सामना करना पड़ता है, तब राजनीति का चरित्र लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा से हटकर शक्ति प्रदर्शन की ओर बढ़ने लगता है। इसी संदर्भ में कुछ आलोचक वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों की तुलना संगठित गिरोहों की कार्यप्रणाली से करते हैं। हालांकि यह तुलना एक राजनीतिक राय है और इसे तथ्य के रूप में नहीं देखा जा सकता। दाऊद इब्राहिम भारत का एक कुख्यात अपराधी रहा है, जिस पर संगठित अपराध, तस्करी, वसूली और आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े गंभीर आरोप लगे। उसकी कार्यप्रणाली भय, दबाव और नेटवर्क आधारित नियंत्रण पर आधारित बताई जाती रही है। दूसरी ओर राजनीतिक दल लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं, जिन्हें जनता के मतों से वैधता प्राप्त होती है। इसलिए किसी राजनीतिक दल की सीधे किसी आपराधिक गिरोह से तुलना करना एक गंभीर राजनीतिक आरोप है, जिसके समर्थन में ठोस न्यायिक या कानूनी निष्कर्ष आवश्यक होते हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं पर हमलों तथा पार्टी कार्यालयों को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं को लेकर कई बार आरोप-प्रत्यारोप हुए हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी भी लंबे समय से आरोप लगाती रही है कि उसके कार्यकर्ता राज्य में राजनीतिक हिंसा के शिकार हुए हैं। विभिन्न मानवाधिकार संगठनों और मीडिया रिपोर्टों में भी राजनीतिक हिंसा को राज्य की गंभीर समस्या बताया गया है।

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है।
: रवीन्द्रनाथ टैगोर

पुरुष की सिगरेट से लेकर टायर तक में वह दखल देती है।
: हरिशंकर परसाई

सूडोकु नवताल- 7537

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7536 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

दैनिक पंचांग

9 जून को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2026 वर्ष का 160 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि नवमी 02.35 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 09.40 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 08.19 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 15.06 बजे तदनन्तर गर 02.35 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 23.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 55'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872735
जूलियन दिन 2461200.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 23

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.43 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	07.56 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.12 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.24 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.35 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.50 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.06 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.11 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.57 बजे से
राहुकाल		मीन	00.30 बजे से
3.00 से 4.30		मेष	02.01 बजे से
बजे तक		वृष	03.41 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

विश्वास का छद्मवेश, सामाजिक विकृति, अपराध और डिजिटल ब्लैकमेलिंग

हाल ही में भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ ज़िले में स्थित एक ऐतिहासिक नगर मवाना (परीक्षितगढ़) क्षेत्र में बकरीद की दावत के बहाने बुलाकर एक अनुसूचित जाति के युवक के साथ किया गया सामूहिक दुराचार, मारपीट और वीडियो बनाने की घटना केवल एक साधारण आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक ताने-बाने, सांप्रदायिक सद्भाव और तकनीकी दुरुपयोग की गहरी परतों को उजागर करती है। मवाना की घटना यह दशार्ता है कि कैसे आपराधिक मानसिकता में सामाजिक और डिजिटल हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है? समाचार पत्रों की रिपोर्ट के अनुसार अयान नामक युवक ने अपने पड़ोसी गांव के एक अनुसूचित जाति के युवक को सौहार्द के प्रतीक बकरीद पर्व की दावत पर बुलाया। इसके बाद अयान और उसके साथियों गुलमोहम्मद, आवेश उर्फ उवैश, और अदनान ने पीड़ित को बंधक बनाकर उसके साथ कुकर्म किया। परीक्षितगढ़ पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए नामजद आरोपियों में से तीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि एक अन्य की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। इस तरह के मामलों में भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं के साथ-साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम और आईटी एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई का प्रावधान है।

त्योहार और सामूहिक दावतें हमेशा से भारतीय समाज में विभिन्न समुदायों के बीच की दूरी कम करने और आपसी भाईचारा बढ़ाने का माध्यम रही हैं। लेकिन जब बकरीद जैसे किसी पावन पर्व के आमंत्रण को एक आपराधिक साजिश के जाल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो यह समुदायों के बीच के पारस्परिक विश्वास को गहरी चोट पहुंचाता है। यह घटना भविष्य में अंतर सामुदायिक सामाजिक मेलजोल को संदेहास्पद बना सकती है। समाचार पत्रों के रिपोर्टों में स्पष्ट उल्लेख है कि आरोपियों ने पीड़ित के खिलाफ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। यह दशार्ता है कि अपराध के पीछे न केवल शारीरिक हिंसा की भावना थी, बल्कि पीड़ित की सामाजिक पृष्ठभूमि (अनुसूचित जाति) के कारण उसे मानसिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित करने तथा खुद को श्रेष्ठ दिखाने की एक कुंठित और सामंती मानसिकता भी सक्रिय थी।

आधुनिक समय में साइबर क्राइम और शारीरिक अपराध आपस में जुड़ चुके हैं। आरोपियों द्वारा कृत्य का वीडियो बनाना और उसे इंटरनेट पर प्रसारित करने की धमकी देना डिजिटल टेररिज्म और ब्लैकमेलिंग का हिस्सा है। इसका उद्देश्य पीड़ित को पूरी तरह से मानसिक रूप से तोड़ देना होता है ताकि वह समाज या पुलिस के सामने मुंह न खोल सके। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने और समाज में न्याय व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाया जाना आवश्यक हैं। चूंकि इस मामले में जातिगत उत्पीड़न, यौन अपराध और डिजिटल ब्लैकमेलिंग जैसे संवेदनशील तत्व शामिल हैं, अतः समाज में कड़ा संदेश देने के लिए इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होनी चाहिए। पुलिस और फोरेंसिक टीमों को आरोपियों के फोन और इंटरनेट डेटा को तुरंत सीज करना चाहिए ताकि वीडियो इंटरनेट पर फैलने से रोका जा सके और न्यायालय में पुख्ता डिजिटल सबूत पेश किए जा सके। इस तरह के जघन्य अपराधों के बाद पीड़ित गहरे मानसिक आघात से गुजरता है। प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं को पीड़ित को कानूनी सहायता के साथ-साथ उचित मनोवैज्ञानिक परामर्श और सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। ऐसी घटनाओं का राजनीतिक या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण होने से रोकने के लिए स्थानीय प्रशासन को दोनों समुदायों के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ मिलकर शांति और सद्भाव समितियों को सक्रिय करना चाहिए। यह घटना एक चेतावनी है कि शिक्षा और तकनीक के प्रसार के बावजूद, समाज के कुछ हिस्सों में आपराधिक प्रवृत्ति और जातिगत दुर्भावना की जड़ें कितनी गहरी हैं? न्याय की सार्थकता इसी में है कि कानून बिना किसी सामाजिक या धार्मिक पूर्वाग्रह के अपराधियों को कठोरतम दंड दे, ताकि पीड़ित को न्याय मिले और समाज में यह विश्वास बहाल हो सके कि कानून सर्वोपरि है।

समकालीन भारतीय समाज जब एक तरफ आधुनिकता, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान की ओर अग्रसर है, वहीं दूसरी तरफ क्षैतिज स्तर पर सामाजिक संबंधों में बिखराव और छिपी हुई सामंती, आपराधिक मानसिकता के भयावह रूप भी सामने आ रहे हैं। मवाना (परीक्षितगढ़) क्षेत्र की यह हालिया घटना इस बात का एक केस स्टडी है कि कैसे आधुनिक युग में अपराध, सामाजिक पहचान और तकनीक का एक हिंसक गठजोड़ तैयार हो रहा है?

इस घटना को केवल अपराध के चश्मे से देखना इसके गहरे सामाजिक निहितार्थों को नजरअंदाज करना होगा। मानवविज्ञानी मानते हैं कि त्योहार और दावतें किसी भी समाज में लिमिनालिटी या वह समय होती हैं, जहां पुरानी रंजिशें भुलाकर लोग आपस में जुड़ते हैं। जब इस तरह के पवित्र और सौहार्दपूर्ण अवसरों को किसी को जाल में फंसाने, हनी ट्रैप या अम्बुश के लिए इस्तेमाल किया जाता है, तो समाज की सामूहिक चेतना को गहरा धक्का लगता है। यह समुदायों के बीच सद्भावना की मूल अवधारणा पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। आरोपियों द्वारा कृत्य के दौरान जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया जाना यह दशार्ता है कि यह केवल शारीरिक कुंठा की अभिव्यक्ति नहीं थी, बल्कि अपनी सामाजिक स्थिति को श्रेष्ठ और पीड़ित की स्थिति को निम्न साबित करने का एक हिंसक प्रयास था। जब कोई समूह किसी अन्य समूह पर अपनी सत्ता या वर्चस्व स्थापित करना चाहता है, तो वह अक्सर यौन हिंसा और शारीरिक प्रताड़ना को एक औजार के रूप में इस्तेमाल करता है। इस मामले का सबसे चिंताजनक पहलू है- कृत्य का वीडियो बनाना और उसे प्रसारित करने की धमकी देना। पुराने समय में अपराधी पीड़ित को शारीरिक रूप से डराते थे। आज के डिजिटल युग में, वीडियो बनाना एक अदृश्य बेड़ी की तरह काम करता है। अपराधी जानते हैं कि भारतीय समाज में मानहानि और सामाजिक प्रतिष्ठा का क्या महत्व है। वीडियो को इंटरनेट पर डालने की धमकी देकर वे पीड़ित को सामाजिक मृत्यु के डर में जीने के लिए मजबूर करते हैं, ताकि वह न्याय की गुहार न लगा सके।

एक निष्पक्ष और गहन जांच के लिए पुलिस और न्यायपालिका को पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर काम करना होगा। जांच अधिकारियों को भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के साथ-साथ अनुसूचित जाति- जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 (अश्लील सामग्री का प्रसारण) को इस तरह जोड़ना होगा कि अपराधियों को तकनीकी खामियों का लाभ न मिल सके। यदि वीडियो को किसी भी व्हाट्सएप ग्रुप या सोशल मीडिया पर भेजा गया है, तो मेटाडेटा और आईपी एड्रेस के जरिए उसकी चेन ऑफ कस्टडी स्थापित की जानी चाहिए, ताकि अदालत में यह अचूक सबूत बन सके।

ऐसी घटनाओं के बाद समाज अक्सर दो हिस्सों में बंट जाता है या सांप्रदायिक रंग लेने लगता है। इससे बचने के लिए त्रिस्तरीय रणनीति की आवश्यकता है- संस्थागत न्याय, मनोवैज्ञानिक पुनर्वास और सामुदायिक संवाद। इसके लिए मामले का त्वरित निपटारा और दोषियों को ऐसी सजा दी जानी चाहिए, जो समाज में एक कड़ा नजीर पेश करे। पीड़ित केवल शारीरिक हिंसा का शिकार नहीं है, बल्कि उसके आत्मसम्मान पर गहरा आघात हुआ है। उसे दीर्घकालिक काउंसिलिंग और राज्य द्वारा सुरक्षा मिलनी चाहिए। स्थानीय नागरिक समाज, सभी धर्मों और जातियों के प्रबुद्ध वर्ग को आगे आकर इस कृत्य की बिना शर्त निंदा करनी चाहिए, ताकि यह संदेश स्पष्ट हो कि अपराधी की कोई जाति या धर्म नहीं होता, अपराधी केवल अपराधी होता है। सच तो यह है कि कानून की किताबें कितनी भी सख्त क्यों न हों, जब तक समाज के भीतर से जातिगत श्रेष्ठता का दंभ, डिजिटल हथियारों का दुरुपयोग और विश्वासघात की यह मानसिकता खत्म नहीं होगी, तब तक वास्तविक न्याय दूर रहेगा। परीक्षितगढ़ की यह घटना हमारे पूरे तंत्र और सामाजिक विवेक के लिए एक परीक्षा घड़ी है। उल्लेखनीय है कि जब किसी समाज में अपराध केवल व्यक्तिगत कुंठा से आगे बढ़कर सामाजिक पहचान और धार्मिक प्रतीकों के इर्द-गिर्द बुना जाने लगे, तो वह एक गंभीर व्यवस्थागत सड़न का संकेत होता है। मवाना के परीक्षितगढ़ में दलित युवक के साथ हुई यह सामूहिक बर्बरता केवल कानून व्यवस्था की विफलता नहीं है। यह घटना लोगों को सोचने पर विवश करता है कि कैसे सामाजिक उत्सवों की आड़ में वर्चस्व की राजनीति खेली जा रही है और कैसे आधुनिक तकनीक अपराधियों के लिए सामाजिक दमन का नया हथियार बन गई है? मानव इतिहास में त्योहार हमेशा से सामाजिक सुरक्षा वाल्व रहे हैं, जहां समाज अपनी दूरियों को पाटता है। लेकिन इस घटना में एक खतरनाक प्रवृत्ति दिखती है। दरअसल आधुनिक युग में स्मार्टफोन केवल एक गैजेट नहीं, बल्कि एक सामाजिक हथियार बन चुका है। वीडियो बनाने का मकसद केवल घटना को रिकॉर्ड करना नहीं था, बल्कि पीड़ित को यह अहसास कराना था कि उसका स्वाभिमान अब अपराधियों के फोन में कैद है। ग्रामीण और अर्द्ध शहरी समाजों में लोक-लाज और प्रतिष्ठा जीवन से भी बड़ी मानी जाती है। अपराधी इस बात से वाकिफ थे। वीडियो को इंटरनेट पर प्रसारित करने की धमकी देकर वे पीड़ित को एक प्रकार की आधुनिक मानसिक गुलामी में धकेल रहे थे, ताकि वह कभी पुलिस तक न पहुंच सके। अक्सर यौन हिंसा को केवल लैंगिक संदर्भों में देखा जाता है, लेकिन जब यह पुरुषों के खिलाफ और विशेष रूप से हाशिए के समुदायों (अनुसूचित जाति) के खिलाफ होती है, तो इसके मायने बदल जाते हैं।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कला संसार में प्रेम, प्रकृति और आत्मा का विलक्षण संगम

कला केवल रंगों, रेखाओं और आकृतियों का संयोजन नहीं होती, वह जीवन की अनुभूतियों, संबंधों और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति भी होती है। जब दो कलाकार अपने-अपने स्वतंत्र व्यक्तित्व, दृष्टि और शैली के साथ जीवन की यात्रा में सहयात्री बनते हैं, तब उनकी रचनात्मकता एक नए आयाम को जन्म देती है। डॉ. अनूप कुमार चांद और शुभ्रा चांद की पच्चीस वर्षीय वैवाहिक यात्रा और उनकी समानांतर कला-यात्रा इसी अद्भुत एवं विलक्षण संगम का साक्ष्य है। यह केवल विवाह की रजत जयंती नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, समर्पण और सृजनशीलता के पच्चीस वर्षों का उत्सव है। निश्चित ही कुछ यात्राएँ समय की गणना से नहीं, संवेदनाओं की गहराई से मापी जाती हैं। कुछ संबंध केवल सामाजिक बंधन नहीं होते, वे दो चेतनाओं का ऐसा संगम होते हैं, जहाँ जीवन और सृजन एक-दूसरे के पर्याय बन जाते हैं। अनूप और शुभ्रा की पच्चीस वर्षीय वैवाहिक यात्रा तथा उनकी कला-साधना ऐसी ही एक दुर्लभ यात्रा है, जिसमें प्रेम केवल भावना नहीं रहा, बल्कि सृजन का मूल बीज बना और कला केवल अभिव्यक्ति नहीं रही, बल्कि आत्मानुभूति का माध्यम बन गई। दिल्ली के इंडिया इन्टरनेशनल सेंटर में तरूण आर्ट गेलैरी के द्वारा 4-7 जून, 2026 तक आयोजित इस संयुक्त प्रदर्शनी में इन कलाकार द्वय की दो शैलियों का आनन्द कलाप्रेमियों ने बढ़-चढ़कर लिया। नई दिल्ली में आयोजित यह ह्यसृजन के 25 वर्षह्न प्रदर्शनी केवल चित्रों का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि दो रचनात्मक आत्माओं के जीवन-दर्शन का सार्वजनिक उत्सव है। यह प्रदर्शनी बताती है कि कला और जीवन जब एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं, तब सृजन का स्वरूप कितना व्यापक और प्रभावशाली हो सकता है। यह आयोजन इस सत्य को पुनः स्थापित करता है कि महान कला केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, पारस्परिक सम्मान और साझा स्वप्नों से जन्म लेती है।

आज जब संसार का बड़ा हिस्सा उपभोग, प्रदर्शन और तात्कालिक उपलब्धियों की संस्कृति में उलझा हुआ है, तब अनूप और शुभ्रा की कलायात्रा हमें उस भारतीय कला-दृष्टि की याद दिलाती है, जिसमें कला का उद्देश्य केवल सौंदर्य का निर्माण नहीं, बल्कि सत्य, शिव और सुंदर की अनुभूति कराना है। भारतीय चिंतन में कला को साधना कहा गया है। साधना का अर्थ है-अपने भीतर उतरना, स्वयं को तराशना और अंततः उस चेतना का स्पर्श करना जो समस्त सृष्टि में व्याप्त है। यही तत्व इन दोनों कलाकारों की रचनात्मक सृजन में दिखाई देता है। अनूप की कला प्रकृति से संवाद करती है। उनके चित्रों में समुद्र की लहरें, वन्य जीवन, ग्रामीण जीवन, लोक-संस्कृति और मानवीय संवेदनाएँ केवल दृश्य नहीं हैं, बल्कि प्रकृति के भीतर धड़कती हुई चेतना की अभिव्यक्ति हैं। वे प्रकृति को वस्तु नहीं मानते, बल्कि एक जीवित सत्ता के रूप में देखते हैं। उनकी कला मानो यह संदेश देती है कि मनुष्य और प्रकृति दो अलग इकाइयाँ नहीं हैं; दोनों एक ही अस्तित्व की परस्पर जुड़ी हुई कड़ियाँ हैं। उनके रंगों में पर्यावरणीय चिंता है, उनकी रेखाओं में करुणा है और उनकी आकृतियों में जीवन के प्रति गहरा सम्मान है। अनूप की कला प्रकृति, लोकजीवन और सामाजिक सरोकारों से संवाद करती है। वे प्रकृति के माध्यम से मनुष्य के अंतर्मन को पढ़ते हैं, गढ़ते हैं।दूसरी ओर शुभ्रा की कला हमें दृश्य जगत से अदृश्य जगत की ओर ले जाती है। उनके कैनवास पर रंग केवल रंग नहीं रहते, वे ध्यान की मुद्रा बन जाते हैं। वृत्त, सर्पिल और ऊर्जा के विविध रूपों के माध्यम से वे उस ब्रह्मांडीय लय को अभिव्यक्त करती हैं, जो सृष्टि के प्रत्येक कण में स्पंदित हो रही है। उनकी कला में अध्यात्म किसी धार्मिक प्रतीक या कर्मकाण्ड के रूप में नहीं आता, बल्कि चेतना के विस्तार के रूप में प्रकट होता है। उनके चित्रों को देखते हुए ऐसा अनुभव होता है मानो रंग ध्यान कर रहे हों और आकृतियाँ मौन में कोई गूढ़ संवाद कर रही हों। उनका कला संसार अमूर्तन, आध्यात्मिकता और ब्रह्मांडीय ऊर्जा से निर्मित है। उनके कैनवास पर वृत्त, सर्पिल और रंगों की लय केवल दृश्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि चेतना की गहन यात्राएँ हैं। वे दर्शक को बाहरी दुनिया से भीतर की यात्रा की ओर ले जाती हैं।एक कलाकार प्रकृति का कवि है, तो दूसरी आत्मा की चित्रकार। एक धरती की धड़कनों को सुनता है, दूसरी ब्रह्मांड की निस्तब्धता को रंगों में व्यक्त करती है। किंतु आश्चर्य यह है कि दोनों की दिशाएँ अलग होते हुए भी उनका लक्ष्य एक ही है-मानव संवेदना का विस्तार। वास्तव में अनूप और शुभ्रा की कला भारतीय दर्शन के दो महत्वपूर्ण आयामों का प्रतिनिधित्व करती है। अनूप की कला प्रकृति के माध्यम से आत्मा तक पहुँचती है, जबकि शुभ्रा की कला आत्मा के माध्यम से ब्रह्मांड तक। एक बाहर से भीतर की यात्रा है, दूसरी भीतर से बाहर की। किंतु दोनों का गंतव्य एक ही है-चेतना का विस्तार और जीवन की गहनतर समझ। उनके वैवाहिक जीवन के पच्चीस वर्ष भी इसी कला-दर्शन का विस्तार हैं। यह केवल साथ रहने की कहानी नहीं है, बल्कि साथ विकसित होने की कहानी है। सामान्यतः दाम्पत्य में एक व्यक्ति दूसरे पर प्रभावी हो जाता है, किंतु यहाँ दोनों ने एक-दूसरे की स्वतंत्रता को संरक्षित रखा। उन्होंने प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग को चुना; वर्चस्व नहीं, संवाद को महत्व दिया। यही कारण है कि दोनों की कला स्वतंत्र पहचान रखती है, फिर भी उनके जीवन में अद्भुत सामंजस्य दिखाई देता है।

अनूप एवं शुभ्रा की वैवाहिक एवं कला यात्रा यह भी सिखाती है कि प्रेम का सर्वोच्च स्वरूप स्वामित्व नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व है। जहाँ एक-दूसरे को बदलने की कोशिश नहीं होती, बल्कि एक-दूसरे के भीतर छिपी संभावनाओं को विकसित होने का अवसर दिया जाता है। यही प्रेम जब कला से जुड़ता है तो वह रचना बन जाता है, और जब जीवन से जुड़ता है तो वह संस्कृति का रूप ले लेता है।

ललित गर्ग

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आशियाना और उपजाऊ जमीन गंवा देने का एक अंतहीन सिलसिला

गंगा नदी का कटाव एक विकराल समस्या है, जो हर साल सैकड़ों किसानों और परिवारों को बेघर कर रही है। बिहार के मुंगेर, खगड़िया, बेगुसराय के साथ साथ की जिलों में यह समस्या है।हर साल गंगा का बढ़ता कटाव किसानों की जमीन निगल रहा है, घरों पर संकट खड़ा कर रहा है और हजारों परिवारों का भविष्य असुरक्षित बना रहा है। गंगा कटाव पीड़ितों का दर्द केवल बाढ़ के समय का नहीं, बल्कि हर साल अपना आशियाना और उपजाऊ जमीन गंवा देने का एक अंतहीन सिलसिला जारी है।हर साल कटाव के कारण सैकड़ों एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि और लोगों के पक्के घर गंगा में समा जाते हैं।पीड़ित परिवारों का दर्द अकल्पनीय और गहरा होता है। अपनी मेहनत की कमाई से बनाया गया आशियाना और पुस्तैनी जमीन जब पल भर में नदी के गर्भ में समा जाती है, तो वे पूरी तरह बेघर और भूमिहीन हो जाते हैं। पीड़ित परिवारों के पास न तो घर बचता है और न ही खेती के लिए एक इंच जमीन। वे पूरी तरह से बेघर हो जाते हैं।तकरीबन 18 साल से कटाव पीड़ित अपने अस्तित्व की रक्षा, खेती बचाने और जमीन बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।टीकारामपुर, दक्षिणी रहीमपुर, मध्य रहीमपुर, उत्तरी रहीमपुर और बरारी रघुनाथपुर समेत कई पंचायतों में गंगा का कटाव लगातार बढ़ रहा है। इससे खेती योग्य जमीन तेजी से नदी में समा रही है और कई परिवारों के सामने विस्थापन का खतरा खड़ा हो गया है। समाजसेवी नागेंद्र सिंह त्यागी , राकेश कुमार मंडल और ई. धर्मेंद्र कुमार बताते हैं कि गंगा कटाव अब विकराल रूप धारण कर चुका है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो हजारों परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

विकास का एक अलग ही माडल चल पड़ा है। गंगा के किनारे मरीन ड्राइव की बात तो की जाती है, लेकिन गंगा के कटाव और विस्थापन का सवाल हाशिए पर है। तभी तो 18 साल से लगानी लड़ रहे हैं। इस क्षेत्र यानी दियारे की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार खेती है। कटाव पीड़ितों ने अपनी पीड़ा का इजहार गंगा किनारे उपवास कर रखा और गंगा मैया से मुक्ति की गुहार लगाई।

मुंगेर सदर प्रखंड के टीकारामपुर में गंगा कटाव के स्थायी समाधान हेतु हो रहे जन आंदोलन के दूसरे चरण में गंगा पूजन एवं एकदिवसीय उपवास किया गया। आंदोलन से आरंभिक दौर से जुटे अनिल यादव बताते हैं कि गंगा कटाव रोकने हेतु बंडाल के सवाल पर 2008 से हीं आंदोलन का शुरूआत किया था। जो श्याम किशोर यादव, शिवनंदन यादव, जनार्दन यादव, इंद्रदेव यादव जैसे प्रबुद्ध लोगों के अगुवाई में लड़ा गया। जिसमें 2018 में कुछ सफलता भी मिली। लंबे संघर्ष के बाद बिहार सरकार द्वारा चार लगभग पांच किलोमीटर बंडल 51 करोड़ की लागत से बनाया गया लेकिन विभागीय लापरवाही से बहुत जल्द बंडाल समाप्त भी हो गया। इस क्षेत्र के लोगों का मानना है कि एकजूट अहिंसात्मक संघर्ष से सरकार को झुकाने में अवश्य कामयाब होंगे।अवध बिहारी संस्कृत कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. उमेश प्रसाद सिंह एवं सुभाष चन्द्र जोशी ने आंदोलन पर बैठे महिलाओं एवं पुरुषों में जोश भरते हुए कहा कि मानव जब जोर लगाता है तो पत्थर भी पानी बन जाता है। जिस दिन इस क्षेत्र के सशक्त नारी एवं पुरुष की इच्छाशक्ति मजबूत होगी, उसी दिन सरकार को कटाव पीड़ित परिवार के सामने घुटने टेकना होगा और स्थायी समाधान करना होगा। इस आंदोलन से जुड़े आंदोलनकारी पूर्व मुखिया पांडव यादव, वर्तमान मुखिया पांडव महतो, योगेंद्र यादव, राकेश यादव, ओमप्रकाश राय, पूर्व जिला परिषद सदस्य कृष्ण कुमार उर्फ मुन्ना यादव, विवेका यादव, मिंटू यादव, पप्पू यादव, शंकर यादव रामपुर पंचायत के मुखिया कृष्णानंद यादव कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय पोद्दार, चंद्रशेखर यादव उर्फ. पप्पू यादव,राजद जिलाध्यक्ष संजय सिंह, साहेब महतो, संजय पोद्दार, देवकीनंदन यादव, उमेश यादव, बबलू यादव, कैलाश यादव, मिंटू यादव, पीयूष यादव, योगेंद्र यादव, ओम प्रकाश यादव, श्रवण कुमार यादव, आकाशदीप यादव, गजेंद्र हिमांशु, पूर्व जिप सदस्य अजीत सरकार, ध्रुव कुमार यादव, रंजीत यादव, सत्तो यादव, पंकज यादव, प्रवीण कुमार, राजीव महतो सहित बड़ी संख्या में सैकड़ो कटाव परिवार की मौजूदगी में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि सर्वप्रथम बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिलकर अपनी बातें रखेंगे। मुख्यमंत्री से इस क्षेत्र के लोगों को इसलिए उम्मीद है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कभी इस क्षेत्र यानी खगड़िया के परवत्ता से विधायक थे। दूसरे मुख्यमंत्री का गृहक्षेत्र मुंगेर जिले का तारापुर विधानसभा है और वहीं से विधानसभा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके बाद भी बात नहीं बनी तो हम पांचों पंचायत की जनता अलग-अलग मुंगेर, खगड़िया और साहेबपुर कमाल के विधायक के साथ हीं मुंगेर खगड़िया एवं बेगूसराय के सांसद के घर पर से ही घेरा डालो डेरा डालो आंदोलन आरंभ करेंगे सरकार हमारी बात नहीं सुनेगी तो सांसद विधायक की तो अवश्य सुनेगी। इस लड़ाई को अंतिम सांस तक लड़ेंगें।युवा शक्ति के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नागेंद्र सिंह त्यागी ने गंगा यह संकल्प दोहराया कि जिस आंदोलन के मशाल को इस क्षेत्र के प्रबुद्ध योद्धाओं ने जलाया उसे बुझाने नहीं देंगे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मुंगेर, खगड़िया एवं बेगूसराय के गंगा कटाव से पीड़ित जनता अपने आपको मिटाकर एक साथ आवाज बुलंद करें तो गंगा कटाव के स्थायी समाधान से कोई ताकत रोक नहीं सकता। अपने संबोधन में भाजपा नेता समाजसेवी ई. धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि जो लोग यह सोचते हैं कि इस आंदोलन से क्या होगा, वैसे लोगों से स्पष्ट शब्दों में कह देता हूँ कि इस धरती पर कोई ऐसा समस्या नहीं है, जिसका समाधान आंदोलन से संभव नहीं है।

कुमार कृष्णन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

मेमारी नगर पालिका बोर्ड ध्वस्त, टीएमसी के 10 से अधिक पार्षदों के इस्तीफे से ममता को बड़ा झटका

पूर्व बर्धमान (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को एक और बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पूर्व बर्धमान जिले की मेमारी नगर पालिका का बोर्ड उस समय ध्वस्त हो गया, जब टीएमसी के 10 से अधिक पार्षदों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफों के बाद नगर पालिका में पार्टी का बहुमत समाप्त हो गया और बोर्ड के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया।

रिपोर्ट के अनुसार, 16 सदस्यीय मेमारी नगर पालिका में चेयरमैन स्वपन बिस्वासी समेत 11 पार्षदों ने अपने इस्तीफे नगर पालिका के कार्यपालन अधिकारी देबराज बंद्योपाध्याय को सौंप दिए। अधिकांश पार्षदों ने इस्तीफे के लिए व्यक्तिगत कारण बताए हैं, हालांकि कुछ पार्षदों का कहना है कि वे पद पर रहते हुए जनता की समस्याओं का समाधान नहीं कर पा रहे थे और नगर सेवाएं प्रभावित हो रही थीं।

इंडिया गठबंधन की बैठक से आप ने बनाई दूरी, कांग्रेस के साथ भविष्य में गठबधन से भी किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी) : राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण बैठक से आम आदमी पार्टी (आप) ने दूरी बना ली। पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है और भविष्य में कांग्रेस के साथ किसी राजनीतिक गठबंधन की संभावना भी नहीं देखती। बैठक से पहले आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि जब पार्टी गठबंधन का हिस्सा ही नहीं है, तो बैठक में शामिल होने का सवाल नहीं उठता। उन्होंने स्पष्ट किया कि आप ने इंडिया गठबंधन से अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। बताया जा रहा है कि पंजाब की राजनीति को लेकर आप और कांग्रेस के बीच मतभेद लगातार बढ़ रहे हैं। दोनों दल राज्य में एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं, जिसके कारण राजनीतिक दूरी और बढ़ गई है। आप और डीएमके ने बैठक का बहिष्कार किया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आप के इस फैसले से विपक्षी एकता को झटका लग सकता है। इंडिया गठबंधन पहले से ही कई राज्यों में चुनावी हार और सहयोगी दलों के बीच बढ़ते मतभेदों का सामना कर रहा है। ऐसे में आप का अलग रुख विपक्षी राजनीति के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

इंडिया गठबंधन की बैठक से आप ने बनाई दूरी, कांग्रेस के साथ भविष्य में गठबंधन से भी किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी) : राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण बैठक से आम आदमी पार्टी (आप) ने दूरी बना ली। पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है और भविष्य में कांग्रेस के साथ किसी राजनीतिक गठबंधन की संभावना भी नहीं देखती।

बैठक से पहले आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि जब पार्टी गठबंधन का हिस्सा ही नहीं है, तो बैठक में शामिल होने का सवाल नहीं उठता। उन्होंने स्पष्ट किया कि आप ने इंडिया गठबंधन से अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। बताया जा रहा है कि पंजाब की राजनीति को लेकर आप और कांग्रेस के बीच मतभेद लगातार बढ़ रहे हैं। दोनों दल राज्य में एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं, जिसके कारण राजनीतिक दूरी और बढ़ गई है। आप और डीएमके ने बैठक का बहिष्कार किया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आप के इस फैसले से विपक्षी एकता को झटका लग सकता है। इंडिया गठबंधन पहले से ही कई राज्यों में चुनावी हार और सहयोगी दलों के बीच बढ़ते मतभेदों का सामना कर रहा है। ऐसे में आप का अलग रुख विपक्षी राजनीति के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

ईरान के मिसाइल हमले के बाद बढ़ा तनाव, डोनाल्ड ट्रंप ने बेंजामिन नेतन्याहू से कहा- जवाबी कार्रवाई रोकें

नई दिल्ली (एजेंसी) : मध्य पूर्व में एक बार फिर तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा इजराइल पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद क्षेत्र में बड़े सैन्य संघर्ष की आशंका बढ़ गई है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत कर ईरान के खिलाफ तत्काल जवाबी सैन्य कार्रवाई नहीं करने की सलाह दी है।

रिपोट्र्स के अनुसार, ईरान ने लेबनान की राजधानी बेरूत में हुए इजराइली हमलों के जवाब में मिसाइल दागी थीं। इसके बाद इजराइली सेना जवाबी कार्रवाई की तैयारी में थी, लेकिन ट्रंप ने हस्तक्षेप करते हुए संयम बरतने को कहा। उन्होंने माना कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही कूटनीतिक वाताओं को बचाने के लिए तनाव कम करना जरूरी है। ट्रंप ने संकेत दिया कि वह क्षेत्र में शांति समझौते की संभावनाओं को बनाए रखना चाहते हैं और किसी भी बड़े सैन्य टकराव से बचने के पक्ष में हैं। वहीं, नेतन्याहू पर घरेलू स्तर पर कड़ा जवाब देने का दबाव बना हुआ है। इस घटनाक्रम के बाद ईरान और इजराइल दोनों ने फिलहाल हमले रोकने के संकेत दिए हैं, हालांकि दोनों पक्षों ने चेतावनी दी है कि यदि उकसावे वाली कार्रवाई जारी रही तो जवाब और अधिक कठोर हो सकता है। लगातार बढ़ते तनाव ने पूरे मध्य पूर्व की सुरक्षा स्थिति को फिर से चिंता का विषय बना दिया है।

असम में विभागों का बंटवारा, हिमंत बिस्व सरमा ने नई टीम को सौंपी जिम्मेदारियां

गुवाहाटी (एजेंसी) : असम में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने अपनी नई टीम के मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया है। मुख्यमंत्री ने गृह, ऊर्जा, लोक निर्माण विभाग और सूचना एवं जनसंपर्क जैसे महत्वपूर्ण विभाग अपने पास ही रखे हैं। इस फैसले को सरकार के प्रमुख क्षेत्रों पर सीधी निगरानी बनाए रखने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

नई कैबिनेट में जयंत मल्लबरुआह को वित्त, पर्यावरण एवं वन तथा खान एवं खनिज विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अशोक सिंघल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग सौंपा गया है। रणोज पेगू को स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी बरकरार रखी गई है। मुख्यमंत्री ने विभागों के आवंटन के बाद कहा कि सभी मंत्री मिलकर राज्य के विकास और जनकल्याण के लिए कार्य करेंगे। हाल ही में शपथ लेने वाले 12 मंत्रियों को प्रशासनिक अनुभव और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए जिम्मेदारियां दी गई हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नई टीम के गठन और विभागों के बंटवारे के जरिए सरकार आगामी वर्षों में विकास परियोजनाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुधारों पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगी। मंत्रिमंडल में नए चेहरों और अनुभवी नेताओं के मिश्रण को सरकार की संतुलित रणनीति माना जा रहा है।

पुणे में 11 जून को होगा कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग तेज

नई दिल्ली (एजेंसी) : शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं और परीक्षा विवादों को लेकर उभरे युवा आंदोलन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 11 जून को पुणे में बड़ा प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। संगठन के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा है कि आंदोलन का मुख्य उद्देश्य केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को और मजबूत करना है।

सीजेपी का आरोप है कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रियाओं में हुई कथित गड़बड़ियों ने लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित किया है। संगठन का कहना है कि जब तक जवाबदेही तय नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इससे पहले 6 जून को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी ने प्रदर्शन किया था, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया था। प्रदर्शन के दौरान संगठन ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई और शिक्षा प्रणाली में सुधार की मांग की थी। आंदोलन को पूरी तरह शांतिपूर्ण रखने पर भी जोर दिया गया था। अभिजीत दीपके ने स्पष्ट किया है कि उनका आंदोलन लोकतांत्रिक और अहिंसक रहेगा। उन्होंने समर्थकों से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने की अपील की है। वहीं, संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो देशभर में आंदोलन का विस्तार किया जाएगा। राजनीतिक और सामाजिक हलकों में इस आंदोलन को युवाओं के बढ़ते असंतोष की अभिव्यक्ति के रूप में देखा जा रहा है, जिसने हाल के दिनों में राष्ट्रीय स्तर पर काफी चर्चा बटोरी है।

होर्मुज में जलते जहाज से 24 भारतीयों को बचाया

नई दिल्ली (एजेंसी) : होर्मुज स्ट्रेट के पास एक तेल टैंकर में आग लगने के बाद उस पर सवार 24 भारतीय नाविकों को इंडियन नेवी ने बचा लिया है। शुरूआती रिपोर्टों में जहाज पर हमले की आशंका जताई गई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।मेडागास्कर/पलाऊ ध्वज वाले इस तेल टैंकर का नाम एमटी मारिवेक्स है। यह जहाज भारत के कारवार से ओमान के दुक्म बंदरगाह की ओर जा रहा था। भारत के जहाजरानी मंत्रालय के अनुसार, सोमवार दोपहर लगभग 1:30 बजे जहाज पर आग लगने की शुरूआती सूचना मिली थी।संकट की खबर मिलते ही विदेश मंत्रालय और ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने ओमान प्रशासन और इंडियन नेवी के साथ मिलकर तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। जहाज पर कोई भी माल (कार्गो) लदा नहीं था। राहत की बात यह है कि इस हादसे में सभी 24 भारतीय चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

जलवायु परिवर्तन से पृथ्वी की गति धीमी

नई दिल्ली (एजेंसी) : वैश्विक जलवायु परिवर्तन का असर अब केवल मौसम और पर्यावरण तक सीमित नहीं रहा है. इसका प्रभाव पृथ्वी की गति पर भी दिखाई देने लगा है। वैज्ञानिकों के अनुसार ध्रुवीय क्षेत्रों की बर्फ तेजी से पिघलने और समुद्रों का जलस्तर बढ़ने से पृथ्वी पर द्रव्यमान भार लगातार बढ़ रहा है। इससे पृथ्वी के चक्कर लगाने की गति में सूक्ष्म महत्वपूर्ण परिवर्तन दर्ज किए गए हैं।शोधकताओं का कहना है, समुद्रों में बढ़ते जल के कारण पृथ्वी की सतह पर भार लगातार बढ़ रहा है. जिससे पृथ्वी ग्रह के घूमने की रफ्तार धीमी हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार यह परिवर्तन पिछले लगभग 36 लाख वर्षों में पृथ्वी की घूर्णन गति पर जलवायु से जुड़ा सबसे बड़ा प्रभाव है।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है, यदि ग्लोबल वार्मिंग की वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही, तो भविष्य में पृथ्वी के समय मापन, उपग्रह संचार, नेविगेशन प्रणालियों और खगोलीय गणनाओं पर भी इसका प्रभाव पड़ना तय है। यह अध्ययन जलवायु परिवर्तन के दूरगामी और अप्रत्याशित प्रभावों को लेकर चिंता उजागर करता है।

पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

अहमदाबाद(एजेंसी) : पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से अहमदाबादझपटना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है।इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है :ड्ट ट्रेन संख्या 09447 अहमदाबाद - पटना साप्ताहिक स्पेशल जिसे 03 जून, 2026 तक अधिसूचित किया गया था जिसे अब बढ़ाकर 10 जून 2026 तक विस्तारित किया गया है। ड्ट ट्रेन संख्या 09448 पटना-अहमदाबाद साप्ताहिक स्पेशल जिसे 05 जून 2026 तक अधिसूचित किया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 12 जून 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09447 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 09.06.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना एवं समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया । पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

दिल्ली का दम घुट जाएगा, इंडियन पोलो एसोसिएशन को बेदखली नोटिस पर हाईकोर्ट की केंद्र को फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी) : नई दिल्ली में हरित क्षेत्रों को लेकर चल रहे विवाद पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने सुनवाई के दौरान कहा कि राजधानी में पहले ही खुले और हरे-भरे स्थानों की कमी है, ऐसे में यदि बची हुई हरित भूमि भी खत्म कर दी गई तो दिल्ली का दम घुट जाएगा।

मामला इंडियन पोलो एसोसिएशन को जारी किए गए बेदखली नोटिस से जुड़ा है। एसोसिएशन ने केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। केंद्र ने नोटिस में कहा है कि यह भूमि रक्षा ढांचे और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुरक्षा उद्देश्यों के लिए आवश्यक है। सुनवाई के दौरान अदालत ने सवाल उठाया कि क्या सरकार इस क्षेत्र में ऊंची इमारतें बनाने की योजना बना रही है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि नई दिल्ली नगर पालिका परिषद क्षेत्र में जो थोड़ी-बहुत खुली जगह बची है, वह भी समाप्त होती जा रही है। अदालत ने कहा कि यदि यही स्थिति रही तो लोगों का सांस लेना मुश्किल हो जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील आशीष दीक्षित ने दलील दी कि भूमि की आवश्यकता सार्वजनिक और रक्षा संबंधी कार्यों के लिए है। वहीं, हाईकोर्ट ने मामले को निचली अदालत में भेजते हुए बेदखली नोटिस पर रोक संबंधी याचिका पर जल्द सुनवाई करने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट का पूर्व क्रिकेटर और सांसद यूसुफ पठान को विवादित सरकारी जमीन तुरंत खाली करने का आदेश

गुजरात हाईकोर्ट ने पूछा - केवल प्रारंभिक प्रस्ताव के आधार पर जमीन पर कब्जा कैसे कर लिया?

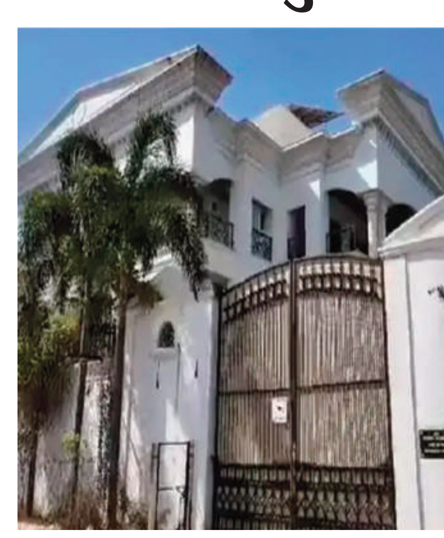

अहमदाबाद (एजेंसी) : गुजरात उच्च न्यायालय में पूर्व भारतीय क्रिकेटर तथा वर्तमान तृणमूल कांग्रेस सांसद यूसुफ पठान के बंगले से जुड़ी विवादित भूमि मामले में महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कथित रूप से सरकारी जमीन पर किए गए कब्जे को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त की और कड़े सवाल उठाए। न्यायालय ने यूसुफ पठान के अधिवक्ता तथा उनके पक्ष से पूछा कि जब सरकारी तंत्र की ओर से जमीन देने संबंधी केवल एक प्रारंभिक प्रस्ताव ही था, तब बिना वैधानिक स्वीकृति प्राप्त किए उस भूमि पर कब्जा कैसे कर लिया गया।

जमीन तुरंत खाली करने की चेतावनी, अन्यथा लगेगा भारी आर्थिक दंड

उच्च न्यायालय ने मामले को अत्यंत गंभीर बताते हुए यूसुफ पठान को स्पष्ट चेतावनी दी कि विवादित भूमि को तत्काल खाली किया जाए, अन्यथा उन्हें कानूनी रूप से भारी आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है। न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी भी सरकारी अथवा नगर निकाय की भूमि पर बिना आधिकारिक अनुमति के कब्जा करना कानून की दृष्टि में गंभीर अपराध है।

ह्वआप कोई सामान्य नागरिक नहीं, बल्कि देश का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ी हैंह्व

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि यूसुफ पठान कोई सामान्य अथवा अशिक्षित नागरिक नहीं हैं। वे देश का प्रतिनिधित्व कर चुके एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं और वर्तमान में संसद सदस्य भी हैं। ऐसे में कानून के पालन को लेकर उनसे अधिक जिम्मेदार व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। न्यायालय ने कहा कि एक प्रसिद्ध खिलाड़ी और जनप्रतिनिधि से इस प्रकार की लापरवाही की उम्मीद नहीं की जा सकती।

अंतिम चेतावनीः स्वयं जमीन खाली करें, अन्यथा प्रशासन कब्जा वापस लेगा

मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च न्यायालय ने अंतिम चेतावनी जारी करते हुए कहा कि यदि यूसुफ पठान स्वयं विवादित सरकारी भूमि खाली नहीं करते हैं, तो संबंधित अधिकारियों को कानूनी प्रक्रिया के तहत बलपूर्वक कब्जा वापस लेने का निर्देश दिया जाएगा।

सांसद की बढ़ीं मुश्किलें, अगले कदम पर सबकी नजर

याचिकाकर्ता पार्थ द्वारा उठाए गए इस विवाद और न्यायालय की कड़ी टिप्पणियों के बाद पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही हैं। एक जनप्रतिनिधि पर अवैध कब्जे के आरोप और न्यायालय की सख्त फटकार के बाद अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि यूसुफ पठान इस विवादित भूमि मामले में आगे क्या कदम उठाते हैं।

इंडिया गठबंधन का जमीनी अस्तित्व नहीं, हर तीन महीने में चुनाव हारते हैं: बीजेपी का हमला

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि गठबंधन का जमीनी स्तर पर कोई वास्तविक अस्तित्व नहीं बचा है और यह लगातार चुनावी हार का सामना कर रहा है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि विपक्षी दलों का यह गठबंधन केवल बैठकों और बयानों तक सीमित रह गया है, जबकि जनता का समर्थन लगातार कम हो रहा है।

बीजेपी नेताओं का दावा है कि इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल एक-एक कर दूरी बना रहे हैं। हाल ही में नई दिल्ली में हुई विपक्षी बैठक में कई प्रमुख सहयोगी दलों की अनुपस्थिति को लेकर भी बीजेपी ने सवाल उठाए। पार्टी ने तंज कसते हुए कहा कि गठबंधन की बैठकों में शामिल होने वालों की संख्या इतनी कम होती जा रही है कि भविष्य में बैठकें ह्वएक कार में भी हो सकती हैं।ह्व बीजेपी का आरोप है कि गठबंधन के घटक दल राज्यों में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, जिससे उनकी एकता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हाल के दिनों में आम आदमी पार्टी द्वारा कांग्रेस से दूरी बनाने और कुछ अन्य सहयोगी दलों के अलग रुख को भी बीजेपी ने विपक्ष की कमजोरी का संकेत बताया है। हालांकि विपक्षी दलों का कहना है कि इंडिया गठबंधन लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट है। लेकिन बीजेपी का दावा है कि लगातार चुनावी पराजय और सहयोगी दलों के बीच बढ़ती खींचतान ने गठबंधन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है। आने वाले चुनावों में यह मुद्दा राजनीतिक बहस का बड़ा विषय बन सकता है।

सीबीएसई की उत्तरपुस्तिका पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव, आईआईटी समिति ने नए पोर्टल को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी) : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा मूल्यांकन प्रणाली में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के विशेषज्ञों की एक समिति ने सीबीएसई के नए डिजिटल पोर्टल को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही छात्रों के लिए उत्तरपुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन और सत्यापन की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और आसान बनने का रास्ता साफ हो गया है।

नए पोर्टल के माध्यम से छात्र अपनी स्कैन की गई उत्तरपुस्तिकाएं देख सकेंगे, मूल्यांकन में संभावित त्रुटियों की जांच करा सकेंगे और पुनर्मूल्यांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य छात्रों की शिकायतों का तेजी से निपटारा करना और मूल्यांकन प्रक्रिया में भरोसा बढ़ाना है। सीबीएसई ने हाल के वर्षों में डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली को अपनाया है, लेकिन तकनीकी समस्याओं और मूल्यांकन संबंधी शिकायतों के कारण कई सवाल भी उठे थे। इसी पृष्ठभूमि में आईआईटी विशेषज्ञों की समिति ने नए पोर्टल की तकनीकी और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। समिति की मंजूरी के बाद इसे व्यापक स्तर पर लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है। सीबीएसई का मानना है कि नई प्रणाली से पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और छात्र हितैषी बनेगी। इससे छात्रों को अपने परीक्षा परिणामों से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए बेहतर और विश्वसनीय मंच उपलब्ध होगा।

सीबीएसई की उत्तरपुस्तिका पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव, आईआईटी समिति ने नए पोर्टल को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी) : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा मूल्यांकन प्रणाली में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के विशेषज्ञों की एक समिति ने सीबीएसई के नए डिजिटल पोर्टल को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही छात्रों के लिए उत्तरपुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन और सत्यापन की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और आसान बनने का रास्ता साफ हो गया है।

नए पोर्टल के माध्यम से छात्र अपनी स्कैन की गई उत्तरपुस्तिकाएं देख सकेंगे, मूल्यांकन में संभावित त्रुटियों की जांच करा सकेंगे और पुनर्मूल्यांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य छात्रों की शिकायतों का तेजी से निपटारा करना और मूल्यांकन प्रक्रिया में भरोसा बढ़ाना है। सीबीएसई ने हाल के वर्षों में डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली को अपनाया है, लेकिन तकनीकी समस्याओं और मूल्यांकन संबंधी शिकायतों के कारण कई सवाल भी उठे थे। इसी पृष्ठभूमि में आईआईटी विशेषज्ञों की समिति ने नए पोर्टल की तकनीकी और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। समिति की मंजूरी के बाद इसे व्यापक स्तर पर लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर तूफान का कहर, एयर इंडिया के 3 विमान क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली (एजेंसी) : राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार शाम अचानक आए तेज तूफान और बारिश के कारण बड़ा हादसा हो गया। एयर इंडिया के तीन विमान क्षतिग्रस्त हो गए, जिसके बाद उन्हें तत्काल परिचालन से बाहर कर दिया गया। घटना एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर हुई, जहां विमान पार्क किए गए थे। तूफान की रफ्तार इतनी तेज थी कि रनवे एप्रन पर रखे ग्राउंड सपोर्ट इक्विपमेंट (लोहे के भारी स्टैंड, सीढ़ियां और ट्रोप) हवा के दबाव से खुद ही आगे की तरफ दौड़ने लगे। इससे जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहे हैं।

इस हादसे में खड़े तीन ए320 विमानों को अलग-अलग जगहों पर संरचनात्मक टक्कर लगी हैं। इनमें से एक विमान को बोर्डिंग सीढ़ी टकराने से अधिक नुकसान हुआ है, जबकि एक अन्य विमान की दाईं तरफ की स्लाइडिंग विंडो पर तेज हवा के साथ उड़कर आया कचरा टकरा गया।

हवाई अड्डे के सूत्रों और मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, एयर ट्रैफिक कंट्रोल या मौसम विभाग की तरफ से इतने भीषण और अचानक आने वाले तूफान को लेकर पहले से कोई खास अलर्ट जारी नहीं किया गया था। इस वजह से ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ को सुरक्षात्मक कदम उठाने का समय नहीं मिल पाया।

9-06-2026 T.P. Page 8_Layout 1 09-06-2026 08:04 Page 1

रंग और डिजाइन का रखें ख्याल

आप जब ड्रेसेस खरीदने जाती हैं तो कलर को लेकर आपके मन में एक ऊहापोह सा बना रहता है, इससे बचने के लिए सबसे पहले तो आप ये बात ध्यान दें कि कपड़ा किसके लिए ले रही हैं। यदि आपका अपना रंग डार्क है तो आप लाइट कलर को तवज्जों दें तो आपके लिए बेहतर होगा, लेकिन ऐसा नहीं है कि आप डार्क कलर नहीं पहन सकती हैं।

आप अपने डिजाइनर कलेक्शन में पर्पल, पिंक, पीच और रेड कलर के ड्रेस ले सकती हैं। आपकी पर्सनैलिटी में आपके कपड़ों के रंग के साथ उसके डिजाइन का भी अहम स्थान होता है। इस समय फैशन को लेकर लड़कियों में इंडियन आर्ट् के साथ कढ़ाई वाले ड्रेस साथ में हों, अच्छे कट्स और फिटिंग, यदि इनमें तार और पत्थरों के डिजाइन हों तो और भी अच्छा है। इसके साथ ब्राइट फ्रेश टोन अच्छे हैं। ट्यूनिक ड्रेसेस, इवनिंग गाउन, टॉप, स्कर्ट, लेगिंग्स पैंट और हूडेड जैकेट्स ये आजकल फैशन में हैं। आजकल जींस के साथ शार्ट कुरतों का काफी चलन है, जो आपको फंकी लुक देता है और साथ में आपके अंदर लीडरशिप जैसे गुण भी देता है। इसके साथ ही बफर प्लेटफार्म पहने तो खूब फबेगा और हां, यदि आप चूड़ीदार सलवार की जगह स्लैक्स या जींस ट्राय को अपने पर प्रयोग करें तो काफी आकर्षक और सेक्सी नजर आएंगी। आजकल स्लैक्स का फैशन बाजार में फिर से लौट आया है। हाई वेस्ट कुर्ते और रोल्ड अप स्लीवस के साथ एक खूबसूरत स्टोल आपको एक स्टाइलिश लुक देते हैं। आपकी खूबसूरती आपका कांफिडेंस होता है और ये मिलेगा आपकी थोड़ी सी समझदारी और समझ से, जो आपको अपने दोस्तों के बीच कांफिडेंसिव सुंदरता देता है।

क्या आजमाएं क्या करें एवाइड

आपको गर्मियों में ज्यादा एसेसरीज पहनने से हमेशा बचना चाहिए। ऑक्सीडेंट ज्वैलरी को न पहनें तो ही अच्छा है, इससे आपकी त्वचा पर इंफेक्शन हो सकता है। प्लास्टिक, जूट, लकड़ी की ज्वैलरी पहनें। आप चाहे तो कफ बैंगल्स को भी फैशन में यूज कर सकती हैं। इस समय एक हाथ में मोटे और अलग-अलग स्टाइल के बैंगल्स पहनने का काफी ट्रेंड है। इसमें डेनिम और कॉर्डरॉय के बैग इस समर में आपके स्टाइल को कई गुना बढ़ा सकते हैं। आपकी ये स्टाइल आपको जहां एक नया लुक देगी, वहीं आपको गर्मी के उलझनों से भी मुक्त रखने में सहायक होगी। चढ़ती-जलती धूप में कपड़ों के रंग का भी ख्याल रखना बहुत जरूरी है। गर्मियों में ड्रेस के कलर, कट्स और डिजाइन बिलकुल बदल जाते हैं। हल्के रंगों का महत्व बढ़ जाता है, जिसमें व्हाइट, पिंक, लाइट यलो, लाइट ब्लू रंग खास हैं। वहीं ब्लैक, ब्राउन और ग्रे रंगों को पहनने से बचें। अगर डिजाइन की बात की जाए, तो अंब्रेला, अनारकली, स्टेट जींस, नी-लेंथ कैपरी आदि पहन सकती हैं। हॉल्टेड, बैकलेस नेक भी समर में पहना जा सकता है।

कई कलर्स और डिजाइंस

इंडिगो ब्रदर्स ने इस मौसम के लिए बेहतरीन कलेक्शन लांच किया है। इसमें महिला व पुरुष दोनों के लिए कई तरह की ड्रेसेज लाई गई हैं। ये लाइटवेट हैं और इसमें खासतौर से शर्ट्स व टी- शर्ट में आपको कई कलर्स व डिजाइन मिल जाएंगे। ये डिजाइंस ग्राफिक्स, पैटर्न, स्ट्रिप्स, चेक्स वगैरह में हैं। इंटरनेशनल स्टाइल्स के साथ ही इसमें हाई फैशन, फेमनिन और वोगिस डिजाइंस मिलेंगे।

फैशन इंडस्ट्री अब सबको स्पेशल बनाने की तैयारी में है और वह भी जेब पर भारी पड़े बिना। दरअसल, खास क्लास तक सिमटी यह इंडस्ट्री नए बिजनेस की तलाश में अब मास के लिए भी काम करने लगी है। ऐसे में अब बाजार में कम दामों पर भी डिजाइनर ड्रेसेस मिलने लगी हैं।

फैशन का पॉकेट फ्रेंडली फंडा

फैशन और स्टाइल के मामले में पिछले कुछ समय से यूथ जितना कॉन्शस हुआ है, यह उतना ही अफोर्डेबल हुआ है। डिजाइनर ड्रेसेज अब उतने महंगे नहीं रहे। अब ये बेहद कम प्राइस वाले रेंज में भी मार्केट में उपलब्ध हैं। इसलिए अब ऑफिस, पार्टी से लेकर शादी तक की खास ड्रेस अपने लिए यूनीक चुनी जा सकती है और वह भी अपने पॉकेट के अनुसार। फैशन डिजाइनर्स भी मानने लगे हैं कि उनका कलेक्शन ऐसा हो जो सबकी पहुंच में हो। दिल्ली में हुए फैशन वीक में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां डिजाइनर्स अपने कलेक्शंस की प्राइस रेंज को एक खास बजट में लेकर आ रहे हैं।

क्या है कारण

मंदी ने हर बिजनेस का फंडा ठंडा कर दिया है और इससे उबरने के लिए लोग तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। फैशन भी इससे अछूता नहीं है। मंदी की मार झेल रहे फैशन ने इससे ऊबरने के लिए जोरदार तैयारी कर चुका है। अभी तक एक खास वर्ग के लिए कपड़े डिजाइन करने वाले डिजाइनर्स मिडिल क्लास से जुड़ने की सोच रहे हैं। इसके लिए वे तैयारी भी कर चुके हैं। तमाम डिजाइनर्स इस फंडे पर काम रहे हैं। यही वजह है कि अब डिजाइनर ड्रेसेस की शुरुआती रेंज 3000 से 4000 रुपए के बीच पहुंच गई है।

क्या कहते हैं डिजाइनर्स

फैशन इंडस्ट्री में एक मुकाम बना चुकी डिजाइनर अनुपमा कहती हैं, हर इंडस्ट्री बिजनेस ओरिएंटेड होती है। तमाम फैशन इवेंट्स इसी के लिए काम कर रहे हैं। इतनी बड़ी इंडस्ट्री एक खास क्लास के दम पर नहीं चल सकती। यही वजह है कि डिजाइनर्स अब लोगों के टेस्ट व बजट का ख्याल रखकर काम कर रहे हैं। यंग डिजाइनर सुदेश सोढ़ी कहते हैं कि मास के साथ जुड़ने में ही फैशन इंडस्ट्री को फायदा है, क्योंकि इंडस्ट्री को पैसा यहीं से मिलेगा। वैसे, वह फैशन ट्रेंड को भी इसकी एक वजह बताते हैं। इन दिनों ड्रेसेस में सेपरेट्स का ट्रेंड है। यानी एक बार लेगिंग या ट्राउजर खरीदने के बाद एक्सक्लूसिव कुर्ते, ट्यूनिक्स या शर्ट्स ली जा सकती हैं। बेशक, इस तरह पूरी ड्रेस महंगी नहीं पड़ेगी और आपको एक खास स्टाइल स्टेटमेंट भी मिल जाएगी।

कॉम्पिटीशन

पहले जहां गिने-चुने डिजाइनर्स होते थे, वहीं अब इंडियन फैशन इंडस्ट्री में डिजाइनर्स की काफी संख्या है। इनके आने से कॉम्पिटीशन टफ हुआ है। ऐसे में मार्केट में सरवाइव करने में कॉस्ट फैक्टर बेहद अहम हो जाता है। डिजाइनरों की होड़ से कस्टमर्स का काम आसान हुआ है। डिजाइनर राजीव इस बात से सहमत हैं। वह कहते हैं इस बार फैशन वीक में 141 डिजाइनर्स हिस्सा ले रहे हैं और जाहिर है सभी को बिजनेस चाहिए। इस फेर में फायदा कस्टमर को होगा। अगर किसी डिजाइनर को मास तक पहुंचना है, तो उन्हें खुद की पॉकेट का ख्याल रखना ही पड़ेगा। कुछ का यह भी मानना है कि इंडस्ट्री के पास फिलहाल टारगेट अपर मिडिल क्लास के कस्टमर्स को खुश करना है, दुनिया की निगाहें आज भी भारत के मिडिल क्लास पर टिकी हुई हैं।

क्वॉलिटी फैक्टर

फैशन के इस दौर में सब कुछ साथ साथ नहीं हो सकता। यदि आप चाहते हैं कि आप जो कपड़े पहने, वह डिजानर्स के द्वारा तैयार किया गया हो, क्वालिटी भी बेहतरीन हो और सस्ता भी हो, यह पूरी तरह से सच साबित नहीं हो सकता। आपको कुछ न कु छ तो कंप्रोमाइज करना ही पड़ेगा। डिजाइनर रजनी कहती हैं कि जिस तरह हर फिल्म सभी की पसंद पर खरी नहीं उतरती, उसी तरह हर क्लास के फैशन का टेस्ट भी अलग होगा। अब 5000 रुपए में ड्रेस पर स्पेशल स्वरोस्की वर्क नहीं मिल सकता। हालांकि इसे क्वॉलिटी के साथ कॉम्प्रोमाइज नहीं कहेंगे, क्योंकि डिजाइनर वियर का मतलब ड्रेस के स्पेशल होने से ही होगा। फिर प्रेट लाइन का मतलब ही सभी के लिए स्पेशल रेडी टू वियर की वैरायटी होता है।

आकर्षक दिखने के फेर में त्वचा की शामत

महिलाओं में हमेशा आकर्षक दिखने की चाह रहती है। लेकिन कई बार होता यह है कि आकर्षक दिखने के चक्कर में वह इतनी क्रीमें या अन्य प्रसाधन बदल लेती हैं कि चेहरे का आकर्षण बढ़ने की बजाय कम हो जाता है। आकर्षक चेहरे के लिए पहली आवश्यकता है, ताजगी से भरपूर साफ व सुंदर त्वचा। आज महिलाएं स्वस्थ व कोमल त्वचा के प्रति जागरूक हो गई हैं और त्वचा की कांति बरकरार रखने के लिए किसी जादुई क्रीम की तलाश में हैं। क्रीम खरीदने की इच्छुक महिलाओं को तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है-

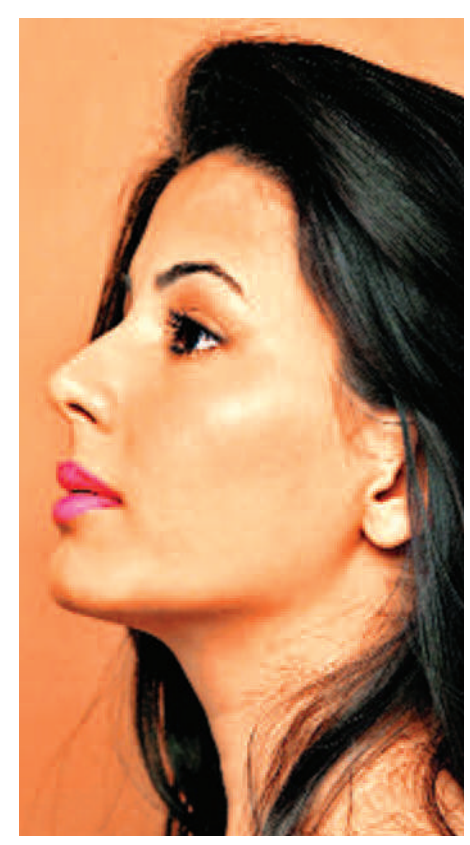

- वे महिलाएं जो उत्पादकों के लंबे-चौड़े वादों को झूठा मानती हैं किन्तु हिचकते हुए क्रीम खरीदती हैं।
- वे महिलाएं, जो किसी भी नई क्रीम का नाम सुनते ही उसे इस आशा में खरीद लेती हैं कि शायद इसी से उनका चेहरा आकर्षक बन जाए।
- ऐसी महिलाएं, जो क्रीम की अधिक कीमत को ही उसके असरदार होने की गारंटी मान लेती हैं।

आप इन तीनों में से किसी भी प्रकार की ग्राहक क्यों न हों, वास्तविकता यह है कि कोई भी क्रीम, जो आप लगाती हैं, आपके चेहरे पर असर तो करती ही है क्योंकि हर क्रीम पानी की नमी को बरकरार रख कर त्वचा को सूखने से बचाती है। ज्ञातव्य है कि महिलाओं के चेहरे पर उम्र के लक्षण पैदा करने में सूखी त्वचा ही सबसे अधिक गुनाहगार साबित होती है। आप देखेंगी कि अकसर सौंदर्य विशेषज्ञ किसी एक क्रीम का विज्ञापन करते नजर आते हैं पर लगभग सभी इस बात से सहमत हैं कि कुछ तत्व ऐसे होते हैं, जिनसे कोई भी क्रीम अधिक असरदार हो जाती है, वे तत्व इस प्रकार हैं-

(**सेरामाइड**)- सेरामाइड स्वाभाविक रूप से त्वचा के कोषों को आपस में जोड़े रखता है, तथा त्वचा को लटकने से बचाता है।

(**अल्फा हाइड्रोसी एसिड**)- यह दूध, फल और गन्ने से बनाया जाता है पर अब इस का सिंथेटिक उत्पादन भी शुरू हो गया है। इससे त्वचा में चमक और कोमलता आती है। यह त्वचा की कोशकीय गतिविधि को बढ़ा कर उसकी नमी बरकरार रखने की क्षमता में वृद्धि करता है। झुर्रियों के इलाज के लिए ग्लाइकोलिक और लेक्टिक एसिड सबसे असरदार होते हैं। लेकिन एएचए के अधिक प्रयोग से त्वचा की परतें उखड़ने लगती हैं। सूर्य की किरणों के प्रति भी त्वचा अधिक संवेदनशील हो जाती है इसलिए याद रखें कि इसका प्रयोग सप्ताह में एक या दो बार ही करना चाहिए।

(**विटामिन**)- विटामिन ए से त्वचा की नमी बढ़ती है। विटामिन बी-5 त्वचा की कंडीशनिंग कर उसको मुलायम बनाता है। एंटीआक्सीडेंट ई से भी त्वचा को विशेष लाभ पहुंचता है।

(**सनस्क्रीन**)- त्वचा को रोजमर्रा में यूवीए और यूवीबी किरणों से बचाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक तत्व है। त्वचा को सुंदर और आकर्षक बनाए रखने के लिए निम्न हिदायतों पर गौर किया जा सकता है- त्वचा की देखभाल ध्यान से करें क्योंकि झुर्रियों के लक्षण नजर आते ही अनेक महिलाएं घबरा जाती हैं और तरह-तरह की क्रीमों का प्रयोग करने लगती हैं। वैसे क्रीमों का प्रयोग अगर अधिक मात्रा में किया जाए तो उससे त्वचा के प्राकृतिक उत्पादनों में कमी आ जाती है। इससे त्वचा रूखी और बेजान होने लगती है और झुर्रियां भी बढ़ने लगती हैं।

सौंदर्य विशेषज्ञों की सलाह है कि सौंदर्य प्रसाधनों का अत्यधिक प्रयोग करना हानिकारक होता है। यदि आपकी त्वचा ज्यादा तैलीय नहीं है तो टोनर के प्रयोग से बचना चाहिए। चेहरे पर गुनगुने पानी के छींटे मारने से भी त्वचा साफ हो जाती है। अगर आप त्वचा को पानी से धोना पसंद करती हैं तो साबुन रहित क्लींजर का प्रयोग करें। वैसे क्रीम क्लींजर सबसे अधिक असरदार होते हैं। मुलतानी मिट्टी व चंदन का लेप करने से भी काफी फायदा होता है।